●वर्ष : 16 ●अंक : 212 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08

RNI No. DELHIN/2008/23928

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen . (9315755139 / ya email Karen) angenpharmaceuticals@gmail.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

सोमवार 25 नवम्बर 2024

समाचार

दिल्ली की वायु गुणवत्ता में हुआ मामूली सुधार

दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता में रविवार को मामूली सुधार हुआ और इससे संबंधित सूचकांक गंभीर श्रेणी से घटकर बहुत खराब श्रेणी में आ गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली में सुबह आठ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 357 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है जबकि शनिवार शाम चार बजे 24 घंटे का औसत एक्यूआई 412 था। हालांकि, आनंद विहार में वायु गुणवत्ता फिर भी गंभीर श्रेणी में ही रही और एक्यूआई 404 दर्ज किया गया। राजधानी की वायु गुणवत्ता लगभग एक महीने से खतरनाक बनी हुई है। यहां 30 अक्टूबर को पहली बार एक्यूआई बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया था, जिसके बाद लगातार 15 दिन तक यह इसी श्रेणी में रहा। दिल्ली में पिछले रविवार को वायु गुणवत्ता और भी खराब होकर गंभीर श्रेणी में पहुंच गई थी तथा सोमवार एवं मंगलवार को भी यह इसी श्रेणी में रही। राजधानी में बुधवार को वायु गुणवत्ता बेहद गंभीर श्रेणी में पहुंच गई थी। बृहस्पतिवार को अनुकूल हवाओं के कारण स्थिति में मामूली सुधार हुआ लेकिन शुक्रवार को फिर से वायु गुणवत्ता खराब होने लगी तथा यह दोबारा गंभीर श्रेणी के करीब पहुंच गई। दिल्ली में शनिवार को एक्यूआई गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। वायु गुणवत्ता के गंभीर श्रेणी में होने के कारण यह स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का कारण बनती है। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसने कहा कि यहां सुबह या रात के समय हल्का कोहरा छाए रहने तथा अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। राजधानी में सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता का स्तर 75 प्रतिशत दर्ज किया गया।

भाजपा की जीत से विकास पर लगी मोहरः मुख्यमंत्री शर्मा

महाराष्ट्र। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और राजस्थान में विधानसभा उपचुनाव में सात में से पांच सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मिली जीत को ऐतिहासिक बताते हुए प्रसन्नता व्यक्त की है। शर्मा ने कहा कि इस जीत से देश के मतदाताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों और राजस्थान सरकार के विकास कार्यों पर अपनी मोहर लगा दी है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को परिणाम आने के बाद एक बयान में कहा कि यह जीत भाजपा के कर्मठ कार्यकताओं के समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा, राजस्थान उपचुनावों में हमने प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों एवं 11 महीने में भाजपा सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में हुए ।

'ईवीएम हैक होने के कारण हम हारे'

महाराष्ट्र में एमवीए को मिली करारी हार पर कर्नाटक कांग्रेस के नेता

>>> कल्पना सोरेन के आंसू भाजपा पर पड़े भारी: मनोज पांडेय

झारखंड विधानसभा चुनाव के नतीजों पर झामुमो नेता मनोज पांडेय ने कहा, 'झारखंड की जनता ने कल्पना सोरेन के आंसुओं का हिसाब चुकता कर दिया है। उन्होंने हेमंत सोरेन को बिना किसी कारण के जेल भेजे जाने पर आंसू बहाए थे। यह पांच महीने कौन लौटाएगा, ये बात हर जगह हो रही थी। कल्पना के आंसू भाजपा पर भारी पड़ गए। उनका (भाजपा) तानाशाही रवैया और बड़े मुंह वाले नेताओं की बयानबाजी साफ नजर आ रही थी। वे डबल इंजन की बात करते थे, लेकिन यहां डबल इंजन देखने को मिला, कल्पना सोरेन और हेमंत सोरेन की सरकार के रूप में। अगर झारखंड में कुछ अच्छा होता है तो यह (झामुमो-कांग्रेस) सरकार करेगी। सरकार की योजनाओं का भी सबसे ज्यादा असर पड़ा है। झारखंड के लोग पूरी तरह से एकजुट हैं।

>>> घुसपैठियों का मुद्दा राष्ट्रीय मुद्दाः मरांडी

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि घुसपैठियों का मुद्दा राष्ट्रीय मुद्दा है। आपने देखा होगा कि मुंबई में भी इस तरह की घटनाएं होती रहती हैं। झारखंड में आदिवासियों की आबादी कम हुई है। आदिवासी आबादी में कमी के कई कारण हैं, लेकिन यह बड़े कारकों में से एक है। यहां एक वर्ग विशेष की आबादी बढ़ी, तो हम मानते हैं कि ऑर्गनिक तरीके से तो अब आबादी बढ़ नहीं सकती है। निश्चित तौर पर घुसपैठ हुआ है। सरकार ने उनके राशन कार्ड, आधार कार्ड बनवाए और उनके वोटर कार्ड बनवाए। इसलिए यह जांच का विषय है।

नूना न्यूज एजेंसी।

महाराष्ट्र। और झारखंड के विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ गठबंधों की आंधी चली। कल आए नतीजों में जहां महाराष्ट्र में महायुति ने राजनीति की नई कहानी रच दी। भगवा आंधी में भाजपा, शिवसेना, एनसीपी ने 80 फीसदी सीटें जीत लीं, तो झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में इंडिया गठंबधन ने करीब 70 फीसदी सीटों पर कब्जा जमा लिया। महाराष्ट्र चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन को प्रचंड बहुमत मिला है। गठबंधन 226 सीटों पर आगे है। भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। वहीं महाविकास अघाड़ी गठबंधन को बुरी हार का सामना करना पड़ा है। इसके उलट, झारखंड में सीएम हेमंत सोरेन की झारखंड मुक्ति मोर्चा पर लोगों ने भरोसा जताया। इंडिया गठबंधन में शामिल झामुमो ने 34 सीटों पर जीत हासिल की। जबकि कांग्रेस ने 16 सीटों पर जीत हासिल की। वहीं भाजपा 21 सीटें जीत सकी। आइये जानते हैं कि चुनाव को लेकर देश में क्या चल रहा है।

>>> हम महाराष्ट्र में जीते तो वे दोष मढ़ रहेः किरीट सोमैया

भाजपा नेता किरीट सोमैया ने कहा, 'नाना पटोले, रमेश चेन्निथला, संजय राउत और उद्धव ठाकरे ईवीएम को दोष दे रहे हैं। लोकसभा चुनाव के समय उन्हीं ईवीएम का इस्तेमाल किया गया था। उन्होंने उस समय ईवीएम को दोष नहीं दिया। हमने झारखंड में अपनी हार स्वीकार कर ली है। जब हम महाराष्ट्र में जीते तो वे दोष मढ़ रहे हैं।'

>>> 'ईवीएम हैक होने के कारण हम महाराष्ट्र हार गए'

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पर कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा, 'ऐसा लगता है कि ईवीएम हैक होने के कारण हम महाराष्ट्र हार गए हैं, यह हमारे नेताओं की राय है। हम चुनाव के लिए उचित रणनीति बनाने में भी असफल रहे हैं। हमने सोचा था कि महाराष्ट्र में एमवीए सत्ता में आएगी, लेकिन सब कुछ उल्टा हो गया।'

राकांपा के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक हुईः प्रफुल्ल पटेल

अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता प्रफुल्ल पटेल ने कहा, "आज राकांपा के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक हुई। हमने सभी विधायकों का स्वागत किया और हमने अजित पवार को पार्टी का नेता भी चुना। हमने उनसे पार्टी के संबंध में आगे के फैसले लेने की भी अपील की।

हम दोनों राज्यों के फैसले का आत्मनिरीक्षण करेंगेः गोगोई

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, 'हमने महाराष्ट्र में भी वही मुद्दे उठाए जो हमने झारखंड में उठाए, चाहे वह एससी, एसटी और ओबीसी के अधिकार हों या बेरोजगारी या महंगाई का मुद्दा हो। हां, झारखंड का फैसला महाराष्ट्र के फैसले से अलग है। हम फैसले को स्वीकार करते हैं। हम दोनों राज्यों के फैसले का आत्मनिरीक्षण करेंगे और अपनी पार्टी को मजबूत करेंगे। हमने अदाणी, मणिपुर, महिलाओं, ओबीसी, एससी और एसटी के खिलाफ अत्याचार का मुद्दा उठाया है।

ज्वलंत मुद्दा

सम्पादकीय

मुफ्त की संस्कृति से पंजाब-हिमाचल की बढ़ी आर्थिक मुश्किलें

दिल्ली, पंजाब व हिमाचल सरकारों के सम्मुख वित्तीय संकट के धुंधलके छाने लगे हैं। सत्ता पर बैठी आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस की सरकारों के सामने चुनाव के दौरान वोटरों को लुभाने के लिए की गयी फ्रीबीज या रेवड़ी कल्चर की घोषणा आर्थिक संकट का बड़ा कारण बन रही है। मुफ्त की रेवड़ियां बांटने एवं लोक-लुभावन घोषणाओं के कितने भारी नुकसान होते हैं, इस बात को दिल्ली, पंजाब व हिमाचल सरकारों के सामने खड़ी हुई वित्तीय परेशानियों से समझा जा सकता है। इन सरकारों के लगातार बढ़ते राजस्व घाटा व बड़ी होती देनदारियां राज्य की अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ रही हैं। विकास योजनाओं को तो छोड़े, इन राज्यों में कर्मचारियों को वेतन व सेवानिवृत्त कर्मियों को समय पर पेंशन देने में मुश्किलें आ रही हैं। इन जटिल होती स्थितियों को लेकर ह्यरेवड़ी कल्चरह्न पर न्यायालय से लेकर बुद्धिजीवियों एवं राजनीति क्षेत्रों में व्यापक चर्चा है। पंजाब के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग की हालिया रिपोर्ट में राज्य की वित्तीय प्राप्तियों और खर्चे के बीच बढ़ते राजकोषीय अंतर को उजागर किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुक्त की संस्कृति पर तीखे प्रहार करते हुए इसे देश के लिए नुकसानदायक परंपरा बता चुके हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने भी मुफ्त रेवड़ियां बांटने के चलन पर गंभीर चिंता जता चुके हैं। नीति आयोग के साथ रिजर्व बैंक भी मुफ्त की रेवड़ियों पर आपत्ति जता चुका है, लेकिन राजनीतिक दलों पर कोई असर नहीं है। कैग की रिपोर्ट बताती है कि कैसे पंजाब राज्य का राजस्व घाटा, सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 1.99 फीसदी लक्ष्य के मुकाबले 3.87 फीसदी तक जा पहुंचा है। यह बेहद चिंताजनक स्थिति है कि राज्य का सार्वजनिक ऋण जीएसडीपी का 44.12 फीसदी हो गया है। यदि अब भी सत्ताधीश वित्तीय अनुशासन का पालन नहीं करते एवं मुक्त की सुविधाएं देने से बाज नहीं आते तो निश्चित ही राज्य को बड़ी मुश्किल की ओर धकेलने जैसी बात होगी। जिसका उदाहरण सामने है कि बीते माह का वेतन निर्धारित समय पर नहीं दिया जा सका है। इसके बावजूद सत्ता पर काबिज नेता मुफ्त की रेवड़ियों को बांटने का क्रम जारी रखे हुए हैं तो उसकी कीमत न केवल टैक्स देने वालों को चुकानी पड़ रही है बल्कि आम लोगों के जीवन पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर राज्य का खर्चा जहां 13 प्रतिशत की गति से बढ़ रहा है, वहीं राजस्व प्राप्तियां 10.76 फीसदी की दर से बढ़ रही हैं।

SYED ZAKI HAIDER
(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

विराट सिख समागम में बंदा सिंह के दसवें वंशज बाबा जतिन्दर पाल सिंह द्वारा सम्मान अर्पित

नूना न्यूज एजेंसी।

हरियाणा। पूर्व सांसद तरुण विजय को उनकी राष्ट्रीयता पूर्ण लेखनी और महान सिख वीर बाबा बंदा सिंह बहादुर के प्रति सेवा कार्यों के लिए प्रतिष्ठित सिख सम्मान बाबा बंदा सिंह बहादुर राष्ट्रीय सम्मान से अलंकृत किया गया। हरियाणा के फतेहाबाद में एक बड़े सिख समागम में यह पुरस्कार दिया गया जिसमें सिरोपा, प्रशस्ति पत्र, इक्यावन हजार रुपये शामिल हैं। विशिष्ट बात यह थी कि बाबा बंदा बहादुर सिंह के दसवें वंशज एवं महान सिख संत बाबा जतिंदरपाल सिंह सोढ़ी के करकमलों से यह सम्मान दिया गया। रियासी (जम्मू कश्मीर) में चिनाब नदी पर बाबा बंदा सिंह घाट, उनकी तपस्थली तक पक्का पहुंच मार्ग, बनवाने तथा दिल्ली में महान धर्म योद्धा बंदा सिंह के उपेक्षित बलिदान स्थल के प्रति राष्ट्रीय ध्यान आकृष्टकरने में सहायता हेतु तरुण विजय को प्रशस्ति प्रदान की गयी।

यूपी के संभल में मस्जिद के सर्वे को लेकर हिंसा

तीन लोगों की मौत, वाहनों में लगाई आग, 30 से अधिक पुलिस कर्मी घायल

नूना न्यूज एजेंसी।

संभल (उत्तर प्रदेश)। उत्तर प्रदेश के संभल में आज सुबह उस समय अफरातफरी मच गई जब मुगलकालीन जामा मस्जिद के कोर्ट के आदेश पर हुए सर्वेक्षण के कारण स्थानीय लोगों और पुलिस के बीच हिंसक झड़पें हुईं, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई. पथराव में 30 से ज्यादा पुलिस वाले घायल हुए. यह मस्जिद एक विवादित कानूनी लड़ाई के केंद्र में है, क्योंकि दावा किया जाता है कि इसे एक हिंदू मंदिर के स्थान पर बनाया गया था। पुलिस के अनुसार, हिंसा तब शुरू हुई जब एक "एडवोकेट कमिश्नर" के नेतृत्व में सर्वेक्षण दल ने अपना काम शुरू किया और मस्जिद के पास भीड़ जमा हो गई. भीड़ में लगभग एक हजार लोग शामिल हो गए, जिन्होंने पुलिस को मस्जिद में घुसने से रोकने की कोशिश की. भीड़ में से कुछ लोगों ने मौके पर तैनात पुलिस कर्मियों पर पत्थर फेंके. भीड़ ने दस से ज्यादा वाहनों को आग के हवाले कर दिया. पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया. पुलिस ने कहा कि इसके बाद अफरा-तफरी मच गई। जामा-मस्जिद में सर्वे के दौरान गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई. पथराव और आगजनी के दौरान सीओ अनुज चौधरी के पैर में गोली लगी. संभल के एसएचओ के पैर में चोट लगी है. एसपी और डीएम भी पत्थरबाजी में घायल हुए हैं. 30 से ज्यादा पुलिस वाले पथराव में घायल हुए हैं। कमिश्नर ने संभल में शाही जामा मस्जिद पर हुए बवाल में तीन लोगों की मौत होने की पुष्टि की है. कई पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं. पुलिस ने करीब 15 लोगों को पुलिस गिरफ्तार किया है जिनमें 3 महिलाएं भी शामिल हैं. मुरादाबाद के कमिश्नर आंजनेय सिंह ने बताया कि तीन गुटों की गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हुई है. कई पुलिस कर्मी भी घायल हैं। एक याचिका के बाद शुरू की गई प्रक्रिया के तहत आज सुबह 7:30 बजे यह सर्वेक्षण शुरू हुआ था. याचिका में दावा किया गया है कि जहां अब मस्जिद है, वहां कभी मंदिर हुआ करता था. मंगलवार को इसी तरह का सर्वेक्षण किए जाने के बाद से संभल में तनाव बढ़ रहा था. याचिकाकताओं का तर्क है कि "बाबरनामा" और "आइन-ए-अकबरी" जैसे ऐतिहासिक ग्रंथों में 1529 में मुगल सम्राट बाबर द्वारा मंदिर के विनाश का दस्तावेजीकरण किया गया है। सर्वेक्षण के समर्थकों का तर्क है कि यह ऐतिहासिक सत्य को उजागर करने में एक आवश्यक कदम है, जबकि विरोधी इसे एक उकसावे के रूप में देखते हैं. वे इसे पूजा स्थल अधिनियम, 1991 के तहत धार्मिक स्थलों की पवित्रता का उल्लंघन बताते हैं। संभल के एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि सर्वे के विरोध में भीड़ ने जानबूझकर पुलिस फोर्स को टारगेट किया. उनकी पहचान करके उन पर ठरअ लगेगा. विश्नोई ने कहा, "भीड़ में शामिल कुछ उपद्रवियों ने पुलिस दल पर पथराव किया. पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए हल्का बल प्रयोग किया और आंसू गैस के गोले छोड़े. हिंसा में शामिल लोगों की पहचान की जाएगी और कार्रवाई की जाएगी।

झारखंड : 28 नवंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे हेमंत सोरेन

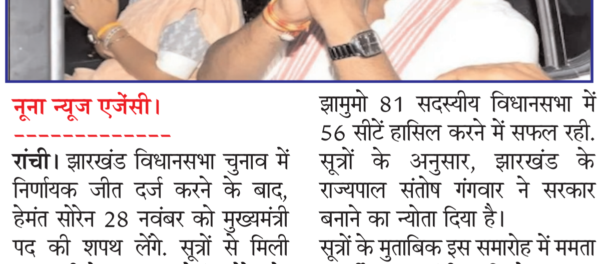

राज्यपाल से मिलकर पेश किया दावा

नूना न्यूज एजेंसी।

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव में निर्णायक जीत दर्ज करने के बाद, हेमंत सोरेन 28 नवंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, हेमंत सोरेन के झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) के नेतृत्व वाले गठबंधन ने चुनावों में जीत हासिल की, जिससे उनके मुख्यमंत्री के रूप में लौटने का मंच तैयार हो गया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन से कड़ी चुनौती का सामना करने के बावजूद, झामुमो 81 सदस्यीय विधानसभा में 56 सीटें हासिल करने में सफल रही. सूत्रों के अनुसार, झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने सरकार बनाने का न्योता दिया है।

सूत्रों के मुताबिक इस समारोह में ममता बनर्जी, राहुल गांधी, अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल, तेजस्वी यादव, दीपांकार भट्टाचार्य शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हो सकते हैं. इसके अलावा कई और राष्ट्रीय नेता भी शामिल हो सकते हैं।

जानकारी के मुताबिक सोरेन शाम 4 बजे रांची स्थित राजभवन जाकर इस्तीफा सौंपेंगे और झारखंड में फिर से सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे. सूत्रों की मानें तो मंत्री पद को लेकर फॉमूर्ला भी तय कर लिया गया है. नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 26 नवंबर को रांची स्थित मोरहाबादी मैदान में हो सकता है. शपथ ग्रहण समारोह में इंडिया ब्लॉक के साथी शामिल हो सकते हैं।

इस बीच इंडिया ब्लॉक के भीतर सरकार बनाने की कोशिशें तेज हो गई है. आज ही ब्लॉक के नव निर्वाचित विधायकों की बैठक मुख्यमंत्री आवास पर बुलाई गई है. जिसमें सोरेन को विधायक दल का नेता चुना जाएगा। 23 नवंबर को झारखंड विधानसभा चुनाव के नतीजे सामने आए. जिसमें एक बार फिर सत्ताधारी गठबंधन पर लोगों ने आस्था जताई. 81 में से 56 सीटें इंडिया ब्लॉक के खाते में गई जबकि एनडीए को 24 और अन्य के खाते में 1 सीट गई है। जेएमएम ने सबसे ज्यादा 34 सीटों पर जीत दर्ज की है. वहीं कांग्रेस ने 16, राजद ने 4 और कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी - लेनिनिस्ट) (लिबरेशन)- सीपीआई (एमएल) (एल) ने 2 सीटों पर कब्जा जमाया. एनडीए गठबंधन को झारखंड चुनाव में नुकसान उठाना पड़ा है. एनडीए को कुल 24 सीटें मिली. जिसमें बीजेपी ने 21, आजसू, जेडीयू और लोजपा रामविलास ने एक-एक सीट पर जीत दर्ज की है। झामुमो नेता को बीच में कई अन्य झटके भी लगे. 31 जनवरी को सोरेन की गिरफ्तारी के बाद उनके दिवंगत भाई दुर्गा सोरेन की पत्नी और उनकी भाभी सीता सोरेन मार्च में भाजपा में शामिल हो गईं. वह सोरेन की अनुपस्थिति में उनकी पत्नी कल्पना को मुख्यमंत्री बनाने के कथित कदमों से नाराज थीं और मई में 'पार्टी विरोधी' गतिविधियों के लिए उन्हें झामुमो से निष्कासित कर दिया गया था।

>> आसान नहीं थी ये राह

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के लिए 2024 की शुरूआत और अंत इससे ज्यादा अलग नहीं हो सकते थे. झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता को भूमि घोटाले के मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने साल की शुरूआत में हिरासत में ले लिया था और उन्होंने गिरफ्तार होने से पहले ही झारखंड के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था. अब वर्ष में एक महीना शेष रहते सोरेन प्रचंड जीत के सूत्रधार के रूप में उभरे हैं, जिससे यह सुनिश्चित हो गया है कि राज्य में इंडिया गठबंधन सत्ता में बना रहेगा और उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में लगातार दूसरा कार्यकाल मिलेगा।

महाराष्ट्र चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन चौंकाने वाला

अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन: चव्हाण

नूना न्यूज एजेंसी।

मुंबई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि उनकी पार्टी की हार चौंकाने वाली है और उन्होंने इसे राज्य विधानसभा चुनावों में अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन करार दिया। चव्हाण ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा कि महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए महायुति सरकार की लाडकी बहिन योजना ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाताओं को पसंद आई, जबकि ध्रुवीकरण ने राज्य के शहरी इलाकों में विपक्षी महाविकास आघाडी (एमवीए) की संभावनाओं को प्रभावित किया। कराड दक्षिण सीट से हारने वाले चव्हाण ने कहा, यह कहना मुश्किल है कि कोई लहर थी या धांधली हुई। राज्य की 288-सदस्यीय विधानसभा के लिए 20 नवंबर को हुए चुनावों के नतीजे शनिवार को घोषित किए गए। चव्हाण सहित एमवीए के कई बड़े नेता चुनाव हार गए। एमवीए के हिस्से के रूप में 101 सीट पर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस ने केवल 16 सीट जीतकर अपनी सबसे बुरी हार दर्ज की। चव्हाण ने कहा कि उन्हें सतारा जिले की कराड दक्षिण सीट पर 5,000 से 6,000 वोट से जीत की उम्मीद थी। लेकिन, उन्होंने कहा कि जिले में एमवीए के सभी उम्मीदवार लगभग 40,000 मतों के अंतर से हार गए। शनिवार को निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित परिणामों के अनुसार, भाजपा के अतुल भोसले ने कराड दक्षिण में पूर्व मुख्यमंत्री चव्हाण को 39,355 मतों के अंतर से हराया। चव्हाण ने कहा कि 1977 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को महाराष्ट्र में 48 में से 20 सीट मिली थी, जो सबसे कम सीट थी। उन्होंने कहा, यह एक चौंकाने वाली हार है और विधानसभा चुनावों में अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन है।

श्री पवन खेड़ा, अध्यक्ष, मीडिया और प्रचार (संचार विभाग), AICC का बयान

दिल्ली। "बटेंगे तो कटेंगे" का निंदनीय नारा देने वाले आदित्यनाथ के राज में उत्तर प्रदेश का कोई नागरिक "SAFE" नहीं है। ये आज संभल की बेहद संवेदनशील और गंभीर घटनाओं से पता चलता है। संभल में जिस तरह से प्रदर्शनकारियों पर सीधे फायरिंग करने के वीडियो सामने आये हैं वो मुख्यमंत्री आदित्यनाथ और भाजपा-आरएसएस की सोची समझी साज़िश का दुष्परिणाम है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश जो कि सालों से सद्भावना और सौहार्द का प्रतीक रहा है, वहाँ एक एक षड्यंत्र के तहत तीन लोगों की जान ली गई और कई लोग घायल हुए हैं। हम पूरी ज़िम्मेदारी से कहते हैं कि मृतकों की जान आदित्यनाथ प्रशासन ने ही ली हैं और संभल में भाईचारे को आग लगाने के लिए केवल भाजपा-आरएसएस कसूरवार है। अल्पसंख्यक समाज को दूसरे दर्जे के नागरिकों की तरह देखने वाली मोदी-योगी की सरकार ने आनन-फानन में कोर्ट ने याचिका दाखिल कराई। ये सार्वजनिक है कि प्रशासन की पूरी तैयारी थी कि किसी तरह संभल और संभल के जरिए उत्तर प्रदेश का माहौल खराब किया जा सके। इससे पहले बहराइच में सांप्रदायिक हिंसा के दौरान शहर को दंगाई तत्वों के हवाले कर दिया गया था। इस पूरे मामले में भाजपा न तो सर्वे करवाना चाहती थी न ही रोकना, उसका उद्देश्य केवल भाईचारा खत्म करना था। सर्वे टीम के साथ जाने वाले उपद्रवी तत्वों पर कोई कार्रवाई नहीं करना यह स्पष्ट करता है कि प्रदेश के उपचुनावों के

बाद योगी सरकार ने हिंसा और घृणा की राजनीति को और तेज कर दिया है। पुलिस और प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि इस हिंसा में कई निर्दोष लोगों की जान गई है और दो दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। भाई-भाई में द्वेष फैलाना और सांप्रदायिक आग लगाना - ये भाजपा - आरएसएस का डीएनए है, उनके रग-रग में बसा है। एक ओर "एक है तो SAFE हैं" का खोखला नारा - दूसरी ओर एक समुदाय को दूसरे समुदाय के बीच धर्म को ढ़ाल बनाकर दीवार खड़ा करना और लोगों की जान लेना कौनसी एकता का सन्देश है। एक ओर "सबका साथ-सबका विश्वास" का एक दशक से चला आ रहा झूठ, दूसरी ओर उत्तर प्रदेश में लगातार धार्मिक आधार पर समाज को निशाना बनाया जाना, केवल तुच्छ और ओछी राजनीति है।

पूर्वांचल महापंचायत पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी और प्रदेश प्रभारी घोषित

नई दिल्ली, नवंबर : पूर्वांचल महापंचायत पार्टी के दिल्ली स्थित राष्ट्रीय कार्यालय में शनिवार को पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी और प्रदेश प्रभारियों की घोषणा की गई। पीएमपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र कुमार ने बताया कि आज की बैठक में भाजपा, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और किसान यूनियन के कई पूर्व पदाधिकारियों ने पूर्वांचल महापंचायत पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। सचिन खन्ना को राष्ट्रीय महासचिव, आरिफ चौधरी- राष्ट्रीय संयोजक, मुफ़्ती असद कासमी- राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, मुफ्ती मो. ताहिर हुसैन चीफ काजी- प्रदेश प्रभारी दिल्ली, अजय सैमुअल - प्रदेश अध्यक्ष दिल्ली, डॉ. गुरदेव सिंह - प्रदेश प्रभारी हरियाणा, मुकेश आर्य - प्रदेश अध्यक्ष हरियाणा, मोहित चौधरी-जिला अध्यक्ष यमुनानगर, गय्यूर आलम - प्रदेश महासचिव उ.प्र, विपिन गौतम- सहारनपुर मंडल सचिव, और शुभम कुमार को पूर्वांचल महापंचायत पार्टी का सहारनपुर उपाध्यक्ष बनाया गया है। इनके अलावा मुफ्ती वकील कासमी, रवि रंजन बेनीवाल, भारत बेनीवाल, सुखदास गोपी, धरम सिंह और आसिफ चौधरी भी पार्टी की बैठक में मौजूद रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र कुमार ने पार्टी के नए सदस्यों और नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत किया और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

पूर्वांचल महापंचायत पार्टी के दिल्ली स्थित राष्ट्रीय कार्यालय में पदाधिकारी।

खेत में युवक ने लगाई फांसी, सुसाइड नोट भी बरामद

- गांव बालंद में हुई घटना, पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ किया मामला दर्ज

रोहतक, नवंबर : शिवाजी कालोनी थाना के अंतर्गत गांव बालंद स्थित खेत में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना स्थल का निरीक्षण किया। पुलिस को मृतक की जेब से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें तीन व्यक्तियों द्वारा प्रताडित करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए पीजीआई भेज दिया है। पुलिस के अनुसार गांव बालंद निवासी साहिल ने बताया कि उसका पिता पवन खेती बाडी का काम करता था और उसके पिता ने गांव के ही अनूप को उधार पर पैसे दिए हुए थे। जब उसके पिता ने अनूप से अपने पैसे वापिस मांगे तो अनूप ने अपनी बेटी के साथ छेड़छाड का झूठा आरोप उसके पिता पर लगाया और जान से मारने की धमकी देते हुए गांव के अंदर आने से भी मना कर दिया था। साहिल ने बताया कि आरोपी ने उसकी मां व दादी के साथ भी मारपीट की थी। साहिल ने बताया कि उधार के पैसे वापिस नहीं मिलने और झूठे आरोपों के चलते उसके पिता काफी परेशान थे और इसी के चलते उसके पिता ने यह कदम उठाया है। पीड़ित ने आरोप लगाया कि अनूप, बिल्लू व संजय द्वारा लगातार धमकी देने व प्रताड़ित करने से परेशान होकर उसके पिता पवन ने आत्महत्या की है। पुलिस ने इस संबंध में साहिल की शिकायत पर नामजद आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गुरु तेगबहादुर बलिदान दिवस

सर गया पर सर न गया

– डॉ.जया शुक्ला

दिल्ली। मुगलों द्वारा किये जाने वाले जबरन धर्मांतरण के खिलाफ खड़े होनेवाले गुरु तेग बहादुर (सिखों के नौवें गुरु) की पुण्य तिथि को प्रतिवर्ष 24 नवंबर को शहीदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। तेग बहादुर का जन्म 21 अप्रैल, 1621 को अमृतसर में माता नानकी और छठे सिख गुरु, गुरु हरगोबिंद के यहाँ हुआ था, जिन्होंने मुगलों के खिलाफ सेना खड़ी की और योद्धा संतों की अवधारणा पेश की। गुरु तेग बहादुर को उनके तपस्वी स्वभाव के कारण त्याग मल (Tyag Mal) कहा जाता था। गुरु तेग बहादुर सिखों के 9 वें गुरु थे, जिन्हें अक्सर सिखों द्वारा 'मानवता के रक्षक' (श्रीष्ट-दी-चादर) के रूप में पूजा जाता था। उन्हें एक महान शिक्षक के रूप में जाना जाता है। वह उत्कृष्ट योद्धा, विचारक और कवि भी थे, जिन्होंने आध्यात्मिक बातों के अलावा ईश्वर, मन, शरीर और शारीरिक जुड़ाव के स्वरूप का विस्तृत वर्णन किया। जब वह केवल 13 वर्ष के थे तब उन्होंने एक मुगल सरदार के खिलाफ लड़ाई में विजय प्राप्त कर खुद को प्रतिष्ठित किया। उनकी रचना को 116 काव्य भजनों के रूप में पवित्र ग्रंथ 'गुरु ग्रंथ साहिब' में शामिल किया गया है। गुरु तेग बहादुर को 'हिंद की चादर' के नाम से भी जाना जाता है। गुरु तेग बहादुर जी ने आस्था और धर्म की रक्षा के लिए अपने जीवन को कुर्बान कर दिया था. मुगल सम्राट औरंगजेब ने उनसे धर्म परिवर्तन करने को कहा, धर्म परिवर्तन से इनकार करने पर सिर काटने की धमकी दी। गुरु ने कहा, सर जायेगा ही नहीँ। सिर काटा गया, तो पगड़ी गिरकर खुली। उसमेँ कागद. पर लिखा था, सर गया पर सर न गया (अर्थात सम्मान नहीँ गया)। 24 नवंबर, 1675 को दिल्ली में जिस स्थान पर यह शहादत हुई, वहाँ पर शीशगंज गुरुद्वारा है। यह चाँदनी चौक, दिल्ली मेँ है, और सिद्ध स्थान माना जाता है। गुरु तेग बहादुर जी की शौर्य गाथा आज भी सिख समुदाय और दूसरे धर्म के लोगों को प्रेरित करती है। उनके शहीदी दिवस पर कोटिकोटि नमन।

दूध के कैंटर व ट्रक की आमने सामने हुई टक्कर, दो लोगों की मौत

रोहतक, नवंबर : नैशनल हाइवे नंबर 9 पर चुलियाना मोड़ के पास ट्रक व दूध के कैंटर की आमने सामने भीषण टक्कर होने से दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनो वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए और हाईड्रा की मदद से शवों को बाहर निकाला गया। पुलिस ने दोनो मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए पीजीआई भेज दिया। मृतकों की पहचान ट्रक चालक भिवानी निवासी अमित और कैंटर चालक राजस्थान निवासी नंदू के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार गांव कालौद जिला भिवानी निवासी राजेश ने बताया कि वह ट्रक चालक गांव सरल निवासी अमित के साथ टावर के पाइप सिंकदराबाद से लेकर नोंख राजस्थान के लिए जा रहे थे और शनिवार अलसुबह जैसे ही नेशनल हाइवे नंबर नौ पर गांव चुलियाना मोड के पास पहुंचे तभी सामने एक दूध के कैंटर चालक ने बड़ी तेज रफ्तार व लापरवाही से चलाते हुए आया और डिवाइडर के ऊपर से उतर कर रांग साइड में आकर ट्रक में सीधी टक्कर मारी। हादसा इतना भीषण था कि दोनो वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के बाद काफी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो गए। इसी बीच सूचना मिलने पर सांपला पुलिस मौके पर पहुंची और घटना स्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने हाईड्रा की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को अलग कर चालकों के शवों को निकाला और पोस्टमार्टम के लिए पीजीआई भेज दिया। सूचना मिलने पर ट्रक चालक के परिजन भी पीजीआई पहुंचे और इस बारे में पता किया। राजेश ने पुलिस को बताया कि मृतक अमित अविवाहित था और वह ट्रक पर बतौर चालक की नौकरी करता था। पुलिस ने इस संबंध में राजेश की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संभल की हिंसा और मुस्लिम युवकों की हत्या

सरकार और प्रशासन की भेदभावपूर्ण नीति का नतीजा: मौलाना महमूद मदनी

नई दिल्ली, 24 नवंबर: जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने उत्तर प्रदेश के संभल जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान पुलिस फायरिंग में तीन मुस्लिम युवकों की मौत और हिंसा पर गहरी नाराजगी और दुख व्यक्त किया। उन्होंने इस घटना के लिए राज्य सरकार और प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया। मौलाना मदनी ने कहा कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद किसी भी दल की हिंसा का समर्थन नहीं करती, लेकिन पुलिस की यह कार्रवाई न केवल अन्यायपूर्ण बल्कि भेदभावपूर्ण है, जिससे निर्दोष जानें गईं। उन्होंने कहा कि संविधान हर नागरिक को समानता, सम्मान और सुरक्षा का अधिकार देता है। अगर कोई सरकार किसी समुदाय के जीवन और संपत्ति को कमतर समझती है, तो यह संविधान और कानून का उल्लंघन है। उन्होंने चेतावनी दी थी कि मस्जिदों में मंदिर खोजने की कोशिशें देश के शांति और सौहार्द के लिए खतरनाक हैं। मौजूदा घटना ने इस दृष्टिकोण को सत्यापित किया है। संभल में पहले दिन जनता ने सर्वे टीम के साथ सहयोग किया था, लेकिन आज जब टीम जा रही थी, तो उनके साथ मौजूद कुछ लोगों ने भड़काऊ नारेबाजी की, जिससे हिंसा हुई। उन्होंने सवाल किया कि पुलिस ने ऐसे लोगों को मस्जिद में जाने और उकसाने की अनुमति क्यों दी। मौलाना मदनी ने अदालत के तत्काल सर्वे आदेश पर भी सवाल उठाया, जिसे उन्होंने धार्मिक स्थलों की संवेदनशीलता और न्यायिक प्रणाली के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि संविधान धार्मिक स्थलों की 1947 की स्थिति की सुरक्षा सुनिश्चित करता है, और इसे राजनीतिक उद्देश्यों के लिए बदलने का प्रयास देश की एकता के लिए खतरनाक है।

सीएम फ्लाइंग की टीम की रेड

ओमपाहवा, नवंबर : सीएम उड़नदस्ते की टीम ने देर रात को प्रताप नगर क्षेत्र में दबिश देकर एक ट्रक को बिना ई-रवाना के पकड़ा। इसके बाद टीम ने एक स्क्रीनिंग प्लांट पर भी कार्रवाई की है। बताया जा रहा है कि सीएम उड़नदस्ते टीम ने रात को माइनिंग गार्ड लक्ष्य कुमार को साथ लेकर स्क्रीनिंग प्लांट, बेगमपुर की संयुक्त रूप से जांच की। इस दौरान वहां खनिज कोर्सेट, रेत, गटका, बजरी व ग्रेवल काफी मात्रा में रखा हुआ मिला। टीम को देखकर स्क्रीनिंग प्लांट का मुंशी मौके से फरार हो गया। सीएम उड़नदस्ते की टीम के प्रभारी परविंदर ने बताया कि माइनिंग विभाग यमुनानगर की ओर से प्लांट पर कार्रवाई के बाद उप पुलिस अधीक्षक कार्यालय मुख्यमंत्री उड?दस्ता अंबाला को मामले से अवगत कराया गया है। इसके साथ ही टीम ने बल्लेवाला में एक ट्रक को रोककर उसे चेक किया तो वह बिना किसी बिल और ई-रवाना के पाया गया। इस पर यमुनानगर के माइनिंग गार्ड लक्ष्य कुमार ने कार्रवाई करते हुए ट्रक को सीज करके थाना खिजराबाद के यार्ड में खड़ा करवा दिया। उसके खिलाफ अब निर्धारित जुमार्ने की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

अमृतधारी बच्ची को ककार पहनने के कारण परीक्षा में न बैठने देने के बाद मिला न्याय : दिल्ली कमेटी

नई दिल्ली, नवंबर: दिल्ली हाई कोर्ट ने सिख ककार धारण करने के कारण युवा सिख लड़की मेहरलीन कौर को पेपर देने से रोकने पर दिल्ली सबऑर्डिनेट सर्विसेज सिलेक्शन बोर्ड (डीएसएसएसबी) पर सांकेतिक मुआवजा लगाया है और बोर्ड ने अदालत में सिख लड़की से लिखित माफी भी मांगी है। यह बयान दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और जनरल सैक्रेटरी सरदार जगदीप सिंह काहलों ने दिया है। इस मामले की जानकारी देते हुए सरदार कालका और सरदार काहलों ने बताया कि यह मामला 2021 का है, जब अमृतधारी सिख लड़की को सिख ककार धारण करने के कारण परीक्षा देने से रोका गया था। दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के लीगल सेल ने सरदार जगदीप सिंह काहलोन के दिशा-निर्देशों में यह केस दिल्ली हाई कोर्ट में लड़ा और आज इसमें बड़ी सफलता हासिल की है। उन्होंने बताया कि यह ऐतिहासिक पल है, जब हाई कोर्ट ने दिल्ली एसएसएस बोर्ड को निर्देशित किया कि एक सीट खाली रखकर लड़की की परीक्षा दोबारा ली जाए और लड़की की परीक्षा फिर से ली गई। उन्होंने बताया कि दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी ने हाई कोर्ट से यह भी अपील की थी कि दिल्ली एसएसएस बोर्ड अपने रवैये के लिए लिखित माफी मांगे और इसे सांकेतिक मुआवजा भी लगाया जाए। उन्होंने बताया कि बोर्ड ने अदालत में हलफनामा दाखिल कर लिखित माफी मांगी है और हाई कोर्ट ने बोर्ड पर 101 रुपये का सांकेतिक मुआवजा भी लगाया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी सिख विद्यार्थियों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और न केवल दिल्ली में, बल्कि देश और दुनिया में जहां भी सिख विद्यार्थियों को समस्याओं का सामना करना पड़े, दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी हमेशा उनके अधिकारों की रक्षा करेगी और कानूनी कार्रवाई सहित जो भी कदम आवश्यक होंगे, उठाएगी। उन्होंने कहा कि सिख ककार धारण करना सिख विद्यार्थियों का संवैधानिक अधिकार है और हम यह अधिकार किसी से भी छीनने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी कभी भी अपने कर्तव्यों से पीछे नहीं हटेगी और हमेशा पंथ और कौम के लिए काम करती रहेगी।

विधानसभा चुनाव के लिए केजरीवाल ने जारी की पहली लिस्ट

भाजपा और कांग्रेस की है सूची पर खास नजर

दिल्ली। विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। बीजेपी और कांग्रेस पर मनोवैज्ञानिक बढ़त बनाते हुए केजरीवाल ने जिन 11 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है। इस लिस्ट पर बीजेपी और कांग्रेस की भी नजर बनी हुई है। उम्मीदवारों की लिस्ट जारी करके केजरीवाल ने इस बात का भी ऐलान कर दिया है कि उन्हें दिल्ली के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की कोई जरूरत नहीं है और वो अकेले ही इस चुनावी समर में उतरने को तैयार हैं। केजरीवाल का दूसरा मैसेज बीजेपी के लिए है कि भले ही बीजेपी खुद को चुनाव जीतने की मशीन बताती हो, लेकिन बात दिल्ली की आएगी तो पहली चाल केजरीवाल की ही होगी।

आप की इस लिस्ट में 11 उम्मीदवारों की है तो उम्मीदवारों में से 6 उम्मीदवार ऐसे हैं, जो इतिहास में या तो बीजेपी का हिस्सा रहे हैं या फिर कांग्रेस के सदस्य रहे हैं। इस मामले में अरविंद केजरीवाल ने बीजेपी और कांग्रेस दोनों का ही ध्यान रखा है और दोनों ही पार्टियों का हिस्सा रह चुके तीन-तीन नेताओं को चुनाव में झाड़ू थमा दी है।

पूर्व बीजेपी नेता को केजरीवाल ने बनाया प्रत्याशी

भाजपा का साथ छोड़कर केजरीवाल के झाड़ू के साथ आए ब्रह्म सिंह तंवर, बीबी त्यागी और अनिल झा अब आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी हैं। ब्रह्म सिंह तंवर दक्षिण दिल्ली और दिल्ली देहात में बीजेपी का बड़ा चेहरा थे, जो तीन बार विधायक रहे थे। लेकिन केजरीवाल के साथ आने के बाद वो छतरपुर से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार हैं। वहीं पूर्वी दिल्ली नगर निगम के मेयर रह चुके बीबी

त्यागी को आप ने लक्ष्मीनगर विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है, जो बीजेपी में रहते हुए लक्ष्मीनगर से विधानसभा का चुनाव हार गए थे। अनिल झा बीजेपी के टिकट पर किराड़ी से दो बार के विधायक रहे हैं। इस बार उनकी सीट तो वही पुरानी है लेकिन पार्टी अब आम आदमी पार्टी है।

कांग्रेस के नेता भी आप के अपने हुए

कांग्रेस के भी तीन कद्दावर नेता अब आम आदमी पार्टी का हिस्सा हैं, जिन्हें अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपना उम्मीदवार बनाया है। इनमें पहला नाम है जुबैर चौधरी का, जो सीलमपुर सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। उनके पिता मतीन चौधरी कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे हैं, जिन्होंने सीलमपुर से ही पांच-पांच बार विधानसभा का चुनाव जीता था। कांग्रेस के ही नेता रहे चुके सुमेश शौकीन दिल्ली देहात से दो बार के विधायक थे और अब वो झाड़ू के निशान पर मटियाला से चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस के एक और कद्दावर नेता रहे हैं वीर सिंह धींगान, जो सीमापुरी से तीन बार विधायक रहे हैं. और अब वो आप में शामिल होकर फिर से सीमापुरी से चुनाव लड़ रहे हैं। बाकी तो अरविंद केजरीवाल ने 2020 में चुनाव हार चुके दीपक सिंगला को विश्नास नगर से, सरिता सिंह को रोहतास नगर से और राम सिंह नेताजी को बदरपुर से अपना उम्मीदवार बनाया है। घोंडा सीट से गौरव शर्मा और करावल नगर से मनोज त्यागी आप के उम्मीदवार हैं।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता में हुआ मामूली सुधार

दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता में रविवार को मामूली सुधार हुआ और इससे संबंधित सूचकांक गंभीर श्रेणी से घटकर बहुत खराब श्रेणी में आ गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली में सुबह आठ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 357 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है जबकि शनिवार शाम चार बजे 24 घंटे का औसत एक्यूआई 412 था। हालांकि, आनंद विहार में वायु गुणवत्ता फिर भी गंभीर श्रेणी में ही रही और एक्यूआई 404 दर्ज किया गया। राजधानी की वायु गुणवत्ता लगभग एक महीने से खतरनाक बनी हुई है। यहां 30 अक्टूबर को पहली बार एक्यूआई बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया था, जिसके बाद लगातार 15 दिन तक यह इसी श्रेणी में रहा। दिल्ली में पिछले रविवार को वायु गुणवत्ता और भी खराब होकर गंभीर श्रेणी में पहुंच गई थी तथा सोमवार एवं मंगलवार को भी यह इसी श्रेणी में रही। राजधानी में बुधवार को वायु गुणवत्ता बेहद गंभीर श्रेणी में पहुंच गई थी। बृहस्पतिवार को अनुकूल हवाओं के कारण स्थिति में मामूली सुधार हुआ लेकिन शुक्रवार को फिर से वायु गुणवत्ता खराब होने लगी तथा यह दोबारा गंभीर श्रेणी के करीब पहुंच गई। दिल्ली में शनिवार को एक्यूआई गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। वायु गुणवत्ता के गंभीर श्रेणी में होने के कारण यह स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का कारण बनती है। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसने कहा कि यहां सुबह या रात के समय हल्का कोहरा छाए रहने तथा अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

दिल्ली न्याय यात्रा से घबराई भाजपा ने बिना योजना जल्दबाजी में परिवर्तन यात्रा की घोषणा करने को मजबूर है, भाजपा समझ चुकी है दिल्ली में कांग्रेस आ रही है : देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली, नवंबर : दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा और आम आदमी पार्टी कांग्रेस के हर अभियान का अनुसरण करने में पीछे नही हटती, यही कारण है दिल्ली में कांग्रेस की दिल्ली न्याय यात्रा को भारी जनसमर्थन के बाद भाजपा शीर्ष नेतृत्व द्वारा परिवर्तन यात्रा निकालने की घोषणा जनता को भ्रमित करने वाली है। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले दिल्ली भाजपा नेता अपने चुनाव अभियन की शुरूआत करने की दुविधा पड़े है क्योंकि अरविन्द केजरीवाल की तरह भाजपा अध्यक्ष विरेन्द्र सचदेवा भी लोगां को मिलने वाली सुविधाओं के अभाव में जवाबदेही से भागते रहे है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की परिस्थितियां अब पहले जैसी नही रहीं, लोग बदलाव चाहते हैं। देवेन्द्र यादव ने कहा कि 1998 में दिल्ली की सत्ता से बाहर हुई भारतीय जनता पार्टी द्वारा जनता के अनुकूल काम नही किया, जो पिछले 26 वर्षो से लगातार संघर्ष और 2015 और 2020 में मोदी लहर होने के बावजूद दिल्ली में सरकार बनाने में नाकाम रही और 2022 में 15 वर्षो के भ्रष्टाचार से ग्रस्त दिल्ली नगर निगम से भी दिल्ली की जनता ने भाजपा को बाहर का रास्ता दिखाया था। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता दिल्ली के विनाश में केजरीवाल के बराबर के भागीदार है। भाजपा कैसा परिवर्तन करने की बात कर रही है जबकि केन्द्र में पिछले 10 वर्षो से तानाशाह मोदी सरकार ने वादा करने बाद दिल्ली की जनता के लिए किसी भी योजना को अंजाम नही दिया।देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली में लोगों के जहन में बसने वाली दिल्ली न्याय यात्रा जनता के समर्थन के कारण की सफलता की सीढ़ी चढ़ रही है। उन्होंने कहा कि बदहाल दिल्ली में जब लोगों को परेशानी हुई और हालत खराब है, भाजपा नेता और केजरीवाल सरकार अपने भ्रष्टाचार, अक्षमता और निष्क्रियता के चलते आंखें मूंदकर चुप बैठे रहे, आज चुनाव के नजदीक लोगां को भ्रमित करने के लिए परिवर्तन यात्रा की घोषणा कर रहे है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा केजरीवाल की भ्रष्ट नीति लागू करने के समय पूरी तरह चुप रहे, जबकि कांग्रेस ने दिल्ली के कौने-कौने में ठेके खोलने का विरोध करके इनके भ्रष्टाचार को उजागर किया जिसका नतीजा केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और सत्येन्द्र जैन जेल गए। भाजपा ने दिल्ली सरकार में हुए भ्रष्टाचार को कांग्रेस द्वारा उजागर करने के बाद केवल रोटी सेंकने का काम किया है। उन्होंने कहा कि शराब घोटाले को लागू करने में आम आदमी पार्टी के साथ भाजपा भी बराबर की दोषी है क्योंकि उस वक्त भाजपा निगम में सत्तासीन थी, बिना मेयर और स्थायी समिति के चेयरमेन की मंजूरी के निगम क्षेत्र में शराब के ठेके नही खुल सकते। यही नही कोविड महामारी के वक्त जब कांग्रेस दिल्ली की जनता की जान बचाने के लिए सड़कों पर थी तब भाजपा नेता, केजरीवाल लोगों को मरने के लिए छोड़कर अपने घरों में छिपकर बैठे थे।

संभल में भड़की हिंसा के चलते अमरोहा में भी अलर्ट, हर चौराहे पर पुलिस बल तैनात

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

अमरोहा। रविवार को संभल में हुई आगजनी हिंसा के बाद अमरोहा में भी अलर्ट जारी कर दिया गया है, अमरोहा के पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारी को अपने-अपने क्षेत्र में नजर रखने व शरारती तत्वों को चिन्हित करने के निर्देश दिए हैं बताते चलें कि संभल जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान माहौल तनावपूर्ण हो गया था घटना में जहां आगजनी पथराव हुआ वहीं स्थिति को नियंत्रण में करने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था संभल में बिगड़े हालात को देखते हुए अमरोहा से एसएसपी राजीव कुमार भारी पुलिस बल के साथ संभल के लिए रवाना हो चुके हैं, वहीं एसपी कुंवर अनुपम सिंह ने जिले में सभी थाना प्रभारी को अपने-अपने क्षेत्र में सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं अलर्ट जारी करते हुए पुलिस कर्मियों को चौराहों पर तैनात किया गया है इलाके में गस्त बढ़ा दी गई है, बताते चले की अमरोहा जिला संभल जिले से सटा हुआ है इसलिए अमरोहा में भी चौकसी बढ़ा दी गई है उधर संभल की घटना से आसपास के अन्य जिलों में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है, वहीं प्रशासन ने नेताओं एवं जनता से शांति एवं संयम बनाने की अपील की है, उधर हसनपुर में भी पुलिस क्षेत्राधिकारी दीप कुमार पंत व प्रभारी निरीक्षक रविंद्र प्रताप सिंह पुलिस के जवानों के साथ सुबह से ही क्षेत्र में भ्रमण करते हुए नजर आए ' वहीं पुलिस शरारती तत्वों पर नजर रखे हुए हैं।

विधायक ने भाजपाइयों संग मंडल अध्यक्ष के आवास पर सुनी मन की बात

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। रविवार को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम का 116 प्रसारण हुआ जिस का लाइव प्रसारण भाजपा विधायक महेंद्र सिंह खड्गवंशी ने भाजपा हसनपुर मंडल अध्यक्ष संजय शर्मा के आवास पर देखा एवं सुना, मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के युवाओं को फोकस किया वहीं मेक इन इंडिया स्किल इंडिया पर जोर दिया साथ ही उन्होंने एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम अभियान के तहत लोगों को जानकारी दी की देश में 100 करोड़ से अधिक पेड़ लगाए गए हैं तथा अन्य बिंदुओं पर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में लोगों से सीधी वार्ता की, बताते चलें कि नगर के मोहल्ला कायस्थान स्थित मंडल अध्यक्ष संजय शर्मा के आवास पर यह कार्यक्रम सुना एवं देखा गया, इस मौके पर मुख्य रूप से विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी, बूथ अध्यक्ष मीनू शर्मा, मंडल अध्यक्ष संजय शर्मा, मयंक अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल, शिखर अग्रवाल, अनुराग शर्मा, महेश अग्रवाल, नरेश जोशी, आम्रपाली गुर्जर, पुनीत शर्मा आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सहकारिता विभाग मनमाने तरीके से ना करें एन पी के खाद की आपूर्तिः कृष्ण कुमार शर्मा

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। रविवार को राष्ट्रीय सेवी संगठन के कार्यकताओं ने बीमार गायों को इलाज के लिए गौशाला भिजवाने तथा एनपीके खाद का सहकारी समितियां पर समान मात्रा में वितरित किए जाने की मांग को लेकर एसडीएम कार्यालय पर प्रदर्शन करते हुए एक ज्ञापन उप जिला अधिकारी कार्यालय पर सौंपा,इस मौके पर राष्ट्रीय सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने बताया कि तहसील हसनपुर व विकास खंड गंगेश्वरी के ग्राम पिपलोती खुर्द में पिछले कई दिनों से दो निराश्रित गाएं बीमार अवस्था में पड़ी थीं जिसके इलाज हेतु पशु चिकित्सक हसनपुर और उपजिलाधिकारी हसनपुर को वॉट्सएप के माध्यम से सूचना दी थी कहा गया था कि समय पर इलाज न होने की अवस्था में मृत्यु भी हो सकती है। सूचना के बाद भी कोई सरकारी चिकित्सक इलाज हेतु गांव में नहीं पहुंचा और अगले दिन एक गाय की मौत हो गई। आज मामला राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकताओं के बीच पहुंचा संगठन का प्रतिनिधि मंडल आज उपजिलाधिकारी हसनपुर कार्यालय पर पहुंचा और बीमार गाय को बेहतर इलाज हेतु गौशाला भिजवाने की मांग व सहकारी समितियों पर सहकारिता विभाग द्वारा मनमाने तरीके से असमान मात्रा में एन पी के खाद की आपूर्ति किए जाने के विरुद्ध प्रदर्शन किया। साथ ही चेतावनी जारी की गई कि मांग के हिसाब से सभी समितियों पर समान मात्रा में जहां आवश्यकता एन पी के की है वहां एन पी के और जहां डी ए पी की मांग है वहां डी ए पी के साथ आवश्यकता के हिसाब से गेहूं बीज उपलब्ध न कराने की स्थिति में क्षेत्र के किसानो के साथ हसनपुर स्थित सहकारिता विभाग के कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस अवसर पर संगठन के संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा, मोनू अग्रवाल, सुशील भगत जी, अशोक शर्मा, महिपाल सिंह, राजू चौहान , सुनील कुमार, इंद्रेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

जनपद मेरठ अवैध शस्त्रों के साथ तस्करी करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान/कौशल रस्तोगी

दिनांक 23-11-2024 को एस०टी०एफ० उ०प्र० द्वारा जनपद मेरठ के थाना कंकरखेडा के अंतर्गत अवैध शस्त्रों की तरकरी करने वाले अन्तर्राज्यीय गैंग के सदस्य सहित 17 अवैध बन्दूक 12 बोर की 700 कारतूस 315 बोर के साथ सफलता प्राप्त हुई। अभियुक्त रोहन पुत्र राकेश कुमार नि० ग्राम लोहडडा, थाना कोतवाली बड़ौत, जनपद बागपत को
05 सिगल बैरल बन्दूक 12 बोर,
12 डबल बैरल बन्दूक 12 बोर,
700 अदद कारतूस 315 बोर, 3 अदद खोखा कारतूस 45 बोर,1 स्कार्पियों एन कार नं० यूपी 17वाई-2700, के साथ, समय-22:00 बजे स्थान खिर्वा रोड पोहली तिराहा, थाना कंकरखेडा, जनपर मेरठ से एस०टी०एफ०, उत्तर प्रदेश बृजेश कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ फील्ड इकाई, मेरठ के पर्यवेक्षण में एस०टी०एफ० फील्ड इकाई, मेरठ में टीमें गठित कर अभिसूचना संकलन की कार्यवाही करते हुए फील्ड इकाई मेरठ से निरीक्षक सुनील कुमार के नेतृत्व में उपनिरीक्षक जयवीर सिंह, उपनिरीक्षक दुर्वेश डबास, मुख्य आरक्षीगण रकम सिंह, आकाशदीप, विनय, रोनिश तोमर, भूपेन्द्र, महेश शर्मा, प्रदीप धनकड, दीपक कुमार के सहयोग से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ पर ज्ञात हुआ कि यह लोग असलाह व कारतूस मराठा गन हाउस, अटारी रोड खासा, जिला अमृतसर पंजाब से 40 से 50 हजार रुपए प्रति बन्दूक तथा 100 रुपए प्रति कारतूस (315 बोर) लाते हैं। इन बन्दूकों को यह लोग प्रति बन्दूक 80 हजार से 01 लाख रुपए व प्रति कारतूस को 200 से 250 रुपए में बेच देते है। मराठा गन हाउस का मालिक इन्हें यह असलाह व कारतूस किसी अन्य व्यक्ति के नाम से फर्जी रसीद काटकर देता है तथा वह फर्जी रसीदें अनिल बालियान अपने पास रखता है। अनिल बालियान पुराना असलाह तस्कर है, जिससे जनपद शामली पुलिस द्वारा पूर्व में एके-47 राईफल भी बरामद की गयी थी। पूर्व में भी गिर० अभियुक्त तथा इसके साथी अनिल बालियान, शारिक व रिजवान से 30 बोर के पिस्टल 01 लाख रुपए में लेते थे जिनको यह लोग डेढ लाख रुपए मे

दीपक, भूरा निवासीगण रमाला थाना रमाला जनपद बागपत, विपिन निवासी वाजिदपुर थाना बडौत जनपद बागपत व पिंटू दाढी नि० बिनौली जनपद बागपत को बेच चुके है। यह असलाह व कारतूस यह लोग किसी व्यक्ति को देने के लिये यहां पर आये थे। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरूद्ध थाना कंकरखेडा, जनपद मेरठ पर मु०अ०सं० 693/2023 धारा 109/3/318/336/338/340 बीएनएस व 3/5/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर वैधानिक कार्यवाही स्थानीय पुलिस द्वारा की जा रही है। साथ ही तथ्य प्रकाश आये कि इस अन्तर्राज्यीय गैंग का मुख्य सरगना अनिल वालियान उर्फ अनिल बंजी है। गैंग पंजाब से अवैध शस्त्र तस्करी कर पश्चिमी उ०प्र० व दिल्ली एनसीआर के जनपदों में सक्रिय गैंग को अवैध शस्त्रों की सप्लाई करते है। अनिल वालियान उर्फ अनिल पंजी से पूर्व में भी ए०के०-47 राईफल बरामद हुई थी।

6 मार्च 2021 से शुरू किया था कार्य, वॉट्सऐप ग्रुप से लोगों को सफाई के लिए करती हैं एकत्र

कानपुर। प्लॉगर्स ग्रुप की संस्थापक अध्यक्ष डॉ. संजीवनी शर्मा हैं। पेशे से दंत चिकित्सक डॉ. संजीवनी ने बताया कि छह मार्च 2021 (शनिवार) से सफाई का यह अभियान प्रारंभ किया गया था। इसके बाद 183 सप्ताह से गंगा घाट पर हर रविवार साफ-सफाई की जाती है। कोरोना काल के दौरान ही इसे रोका गया था। आमजन को इससे जोड़ने के लिए वॉट्सऐप ग्रुप बनाया गया है। साथ ही सोशल मीडिया के अन्य प्लेटफॉर्म का सहारा लिया। वॉट्सऐप ग्रुप में 850 लोग हैं। इनके पास एक बार में मैसेज चला जाता है कि किस रविवार को कहां पर सफाई होगी। सूचना पर 40 से लेकर 200 लोग एकत्र हो जाते हैं। इससे गंगा तट की सफाई होती है। शर्मा के मुताबिक इस कार्य के पीछे भावना थी कि दूसरों का कचरा उठाने वाले कभी भी खुद कचरा नहीं कर सकते।

65 साल के सीनियर सिटीजन से लेकर सात साल के बच्चे तक सफाई अभियान से जुड़े

कानपुर प्लॉगर्स ग्रुप की सचिव पूजा श्रीवास्तव व उपाध्यक्ष अभिषेक पुरवार हैं। दोनों ने बताया कि 65 वर्ष के सीनियर सिटीजन से लेकर सात वर्ष के बच्चे भी इस मुहिम में शामिल हैं। यह सभी लोग मिलकर नियमित साफ-सफाई करते हैं। इसमें सबसे वरिष्ठ 65 वर्ष के अधिवक्ता अनूप द्विवेदी हैं तो सात वर्ष के विराज भी साफ-सफाई में बड़ों का हाथ बंटाते हैं। इस मुहिम में अब स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासन, नगर निगम के साथ-साथ हर छोटे-बड़े आयुवर्ग के साथ समाज के हर तबके के लोग भी जुड़ रहे हैं।

कानपुर प्लॉगर्स ग्रुप के कार्यों की चहुंओर सराहना

कानपुर प्लॉगर्स ग्रुप के इस कार्यों की चहुँओर सराहना हो रही है। डॉ. संजीवनी शर्मा ने बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने 'एक्स' अकाउंट (तत्कालीन ट्विटर) पर 2021 में ट्वीट कर बताया था कि आज मैंने सैर के साथ प्लॉगिंग भी की। पीएम केरल के बीच पर जॉगिंग भी कर रहे थे और कचरा भी उठा रहे थे। यह शब्द और भावना तभी से मेरे भीतर आई। संजीवनी ने बताया कि तभी मैंने सोचा कि यह कार्य मैं क्यों नहीं कर सकती। फिर इस कार्य को शुरू किया, इसके बाद सोशल मीडिया के जरिए आमजन को जोड़ा। इसमें नगर निगम कानपुर ने भी काफी सहयोग किया।

183 सप्ताह से कानपुर के गंगा घाटों की नियमित सफाई कर रहा कानपुर प्लॉगर्स ग्रुप

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के 116वें एपिसोड में की ग्रुप के कार्यों की सराहना

लखनऊ, 24 नवंबरः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के 116वें एपिसोड में उत्तर प्रदेश के कानपुर व लखनऊ की चर्चा की। यहां के युवाओं की तारीफ करते हुए प्रधानमंत्री ने इनके कार्यों को प्रेरक बताया। पीएम मोदी ने कहा कि साफ-सफाई को लेकर कानपुर में अच्छी पहल हो रही है। यहां मॉर्निंग वॉक पर निकलने वाले लोग गंगा घाट के किनारे फैले प्लास्टिक व अन्य कचरों को उठा लेते हैं। यह समूह कानपुर प्लॉगर्स ग्रुप के नाम से कार्य करता है। इस मुहिम की शुरूआत भी कुछ युवाओं ने की थी। इस ग्रुप के लोग कचरे से बने ट्री गार्ड से पौधों की भी सुरक्षा करते हैं। गौरतलब है कि योगी सरकार के निर्देशन में सभी नगर निगम भी स्वच्छता के अनेक कार्य कर रहे हैं। कानपुर में भी इस संस्था का नगर निगम से एमओयू है।

गिरवी रखा फोन नहीं मिलने पर कर दी हत्या

लोकतंत्र लखनऊ सवंदाता

लखनऊ। दिनांक 24/11 /2024 थाना बीकेटी पुलिस को सूचना मिली थी कि अर्जुन नाम के युवक की हत्या करके सड़क के किनारे खड़ंजे के पास उसकी बॉडी फेंक दी मौके पर पहुंचे बीकेटी थाना प्रभारी निरीक्षक और उच्चाधिकारी अपनी टीम के साथ मौके पर जांच करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा इस घटना के संबंध में मृतक के भाई की तरफ से तहरीर देने पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर लिया इस घटना में जो तीन अभियुक्त शामिल थे उन्हें गिरफ्तार करके माननीय न्यायालय के समक्ष रिमांड के लिये किया पेश तीनों अभियुक्त मृतक के गांव के ही रहने वाले हैं अभियुक्तों का नाम मायाराम, गोविंद, और मोनू है जो इसमें मायाराम है उसका मोबाइल 1500 में गिरवी रख दिया गया था उस मोबाइल को हाशिल करने के लिए और कुछ पैसो को लेकर इस घटना को अंजाम दिया

योगी सरकार के प्रयासों से दिव्य, भव्य अयोध्या में फिर से लौटने लगा 'राम राज्य'

अयोध्यावासियों की हर शिकायत का हो रहा प्राथमिकता के आधार पर समाधान

अयोध्या, 24 नवम्बर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार के प्रयासों से दिव्य और भव्य अयोध्या में एक बार फिर से रामराज्य लौटने लगा है। इसे भवगान श्रीराम की विशेष कृपा ही कहेंगे कि अयोध्या में ऑनलाइन की जाने वाली शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण हो रहा है। हर शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जा रहा है। ऐसा हम नहीं कह रहे बल्कि मुख्यमंत्री कार्यालय से आई एक अक्टूबर की रिपोर्ट बता रही है, जिसमें जिले के 19 में से 18 थाने प्रदेश में पहली रैंक पर आए हैं। इसमें कोतवाली नगर टॉप पर है। जनपद पुलिस ने आईजीआरएस यानि एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली पोर्टल पर ऑनलाइन आने वाली जन शिकायतों के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में पहली रैंक प्राप्त की है। पिछले कई महीनों बाद यह मौका आया है, जब अयोध्या पुलिस को यह सफलता मिली है। एसएसपी ने बेहतर प्रदर्शन करने वाले थानेदारों को सराहते हुए फेहरिस्त में निचले पायदान पर मौजूद थाने को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया है।

प्रदेश सरकार ने जनता की शिकायतों के निस्तारण के लिए आईजीआरएस पोर्टल की व्यवस्था तैयार की है। नियमानुसार, इस पोर्टल पर आने वाली ऑनलाइन शिकायत का 30 दिन के भीतर गुणवत्तापरक तरीके से निस्तारण करना होता है। समय समय पर इन शिकायतों से जुड़ा फीडबैक लखनऊ में बैठे आला अफसर लेते हैं। डिफाल्टर या असंतोष की स्थिति में शिकायतों को वापस लौटाया जाता है, ताकि उनका निस्तारण हो सके। जनपद में अक्टूबर माह में 19 थानों में तकरीबन 2700 शिकायतें आईजीआरएस पर हुई हैं। 100 फीसदी शिकायतों का निस्तारण हो चुका है।

तकनीकी के अनुकूल होकर समय के प्रवाह को समझना अपरिहार्य : सीएम योगी

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 70वें राष्ट्रीय अधिवेशन के समापन दिवस पर बोले मुख्यमंत्री

गोरखपुर, 24 नवंबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ज्ञानवान और शीलवान बनने के साथ विज्ञान-तकनीकी के अनुकूल होकर समय के प्रवाह की गति को समझना अपरिहार्य है। यदि हम समय के प्रवाह की गति को समझने में चूक गए तो समय का यह प्रवाह दुर्गति कर देगा। समय के प्रवाह की दुर्गति से बचने के लिए जरूरी है कि हम विज्ञान और तकनीकी से भागें नहीं, बल्कि इसके सापेक्ष खुद को तैयार करें। सीएम योगी रविवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के तीन दिवसीय 70वें राष्ट्रीय अधिवेशन के समापन दिवस पर एक विशेष सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने ट्रेनिंग एंड एजुकेशनल सेंटर फॉर हियरिंग इम्पेयर्ड (टीच) ठाणे, मुंबई के सह संस्थापक दीपेश नायर को प्रोफेसर यशवंतराव केलकर युवा पुरस्कार से सम्मानित किया। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित अधिवेशन में मुख्यमंत्री ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सूत्र वाक्य ज्ञान, शील, एकता का उल्लेख करते हुए कहा जाता ज्ञानवान बनने के लिए दुनिया में भारत से बड़ा आग्रही कोई और देश नहीं है। गीता में भी कहा गया है, न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते अर्थात ज्ञान के समान पवित्र करनेवाला, शुद्ध करनेवाला इस लोक में दूसरा कोई नहीं है। ज्ञानवान होने के लिए यहां ज्ञानवाहक ऋषि परंपरा का सम्मान रहा है।

टॉवल में लपेटकर रुमी गेट के पास मिला नवजात का शव मिला

लोकतंत्र की शान
(देवेंद्र शर्मा)

लखनऊ। टॉवल में लपेटकर रुमी गेट के पास मिला नवजात का शव चौक कोतवाली में रविवार की दोपहर नवजात का शव मिला। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके से पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस नवजात के बारे में जानकारी जुटा रही है। चौक इलाके में रूमी गेट के पास दोपहर करीब 2 बजे पुलिस को कपड़े में लिपटे नवजात के मिलने की सूचना मिली। मौके से पुलिस पहुंची ने कब्जे में लेकर ट्रामा सेंटर पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि शव एक दिन पुराना लग रहा है। टॉवल में लपटा मिला नवजात लड़का है। उसको किसने और कब फेंका गया इसका पता लगाया जा रहा है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। क्वीन मैरी में अक्सर बच्चे के एक्सपायर होने पर फेंक देते हैं आसपास के लोगों का कहना है क्वीन में दूर से लोग इलाज कराने आते हैं। कई बार जन्म के बाद बच्चे की मौत हो जाती है। वापस न ले जाने की स्थिति में लोग इधर उधर फेंक देते हैं। इसके पहले भी कई उस इलाके में नवजात के शव मिल चुके हैं। फिलहाल पुलिस बच्चे की जानकारी जुटा रही है।

अमरोहा में दर्दनाक हादसा

वाहन ने बाइक सवार युवकों को टक्कर मारी, दो की मौत, एक घायल

लोकतंत्र की शान

अमरोहा। जिले के नौगावां सादात थाना क्षेत्र में शनिवार शाम एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें तीन युवकों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका इलाज चल रहा है। यह घटना खेतापुर गांव के पास हुई। युवकों की मौत के बाद परिजनों में मातम पसरा है। घटना के अनुसार, थाना क्षेत्र के हादीपुर कलां गांव के तीन युवक बेलदारी का काम करने के लिए पास के गांव रजाकपुर गए थे। ये तीनों युवक शाम को अपनी-अपनी बाइकों पर घर लौट रहे थे। मृतक हिमांशु (ब्रह्मपाल सिंह का बेटा) और नरेंद्र (बलवंत सिंह का बेटा) एक ही बाइक पर सवार थे, जबकि राजेंद्र (धर्मपाल सिंह का बेटा) दूसरी बाइक पर था। हादसे के समय तीनों युवक हेलमेट पहने हुए नहीं थे। वे सभी आपस में आगे-पीछे चल रहे थे और खेतापुर गांव के पास स्थित इंटर कॉलेज के नजदीक पहुंचे थे, तभी अचानक एक अज्ञात वाहन ने दोनों बाइकों को टक्कर मार दी।

हरियाणा

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से हरियाणा के विकास, पंचायत एवं खनन मंत्री कृष्ण लाल पंवार नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट करते हुए।

राज्यपाल ने अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

गीता महोत्सव को सामाजिक आयोजन बनाने के लिए किए जाएं प्रयास : बंडारू दत्तात्रेय

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बोले, अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में महत्वपूर्ण आध्यात्मिक संगठनों को करें शामिल

चंडीगढ़, नवंबर : हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने राजभवन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की गरिमामयी उपस्थिति में 28 नवंबर से 15 दिसंबर तक कुरुक्षेत्र में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव की तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस विशाल आध्यात्मिक वार्षिक आयोजन के लिए ओडिशा भागीदार राज्य है जबकि संयुक्त गणराज्य तंजानिया भागीदार देश है। दत्तात्रेय ने गीता महोत्सव को सामाजिक आयोजन बनाने के लिए अधिक प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया। धीरे-धीरे गीता महोत्सव एक सामाजिक आयोजन बन जाना चाहिए। जिसमें सरकार एक सहायक भूमिका निभाए और महोत्सव से जुड़ी हर चीज का प्रबंधन समाज के विभिन्न हितधारकों द्वारा किया जाए। गीता महोत्सव में देशभर से प्रमुख आध्यात्मिक हस्तियों को भी आमंत्रित किया जाना चाहिए।

हरियाणा के राज्यपाल राजभवन में मुख्यमंत्री की गरिमामयी उपस्थिति में कुरुक्षेत्र में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव की तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए।

मुख्यमंत्री ने हितधारकों को शामिल करने की आवश्यकता पर दिया बल

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गीता महोत्सव के आयोजन में अधिक से अधिक हितधारकों को शामिल करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि निरंकारी मिशन, दिव्य ज्योति जागृति संस्थान, एनसीसी कैडेट्स और एनएसएस स्वयंसेवकों जैसे सामाजिक और आध्यात्मिक संगठनों को इसमें सकारात्मक रूप से शामिल किया जाना चाहिए। ऑनलाइन गीता क्विज और अन्य शीर्ष प्रतियोगिताओं के विजेताओं को कार्यक्रम के दौरान शारीरिक रूप से सम्मानित किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने वाहनों की पार्किंग, महोत्सव के दौरान जिला मुख्यालय से कुरुक्षेत्र तक विशेष बसें चलाने, मेहमानों और आगंतुकों की सुविधा के लिए अस्थायी कूड़ेदान, शौचालय और साइनेज लगाने की व्यवस्था का भी जायजा लिया। बैठक में मुख्य सचिव विवेक जोशी, गीता मनीषी ज्ञानानंद जी महाराज, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार बीबी भारती ने भी अपने बहुमूल्य सुझाव दिए। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक के. मकरंद पांडुरंग ने राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को महोत्सव के लिए किए गए प्रचार-प्रसार उपायों के बारे में जानकारी दी। बैठक में पर्यटन विभाग की प्रमुख सचिव कला रामचंद्रन, राज्यपाल के सचिव अतुल द्विवेदी, कुरुक्षेत्र की उपायुक्त नेहा सिंह, राज्यपाल के आईटी सलाहकार बीए भानु शंकर, केडीबी के सीईओ पंकज सेतिया, मुख्यमंत्री हरियाणा के सलाहकार पवन चौधरी, विदेश सहयोग विभाग और केडीबी के सदस्य शामिल रहे। केडीबी के मानद सचिव उपेंद्र सिंघल ने महोत्सव पर पावर-पॉइंट प्रेजेंटेशन दिया।

बच्चों को गीता पाठ के लिए प्रेरित करने का किया जाना चाहिए प्रयास

दत्तात्रेय ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की हस्तियों को इसके सदस्य के रूप में नियुक्त करके कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड (केडीबी) के संरचनात्मक दायरे को व्यापक बनाने की भी आवश्यकता है। कुछ महिलाओं को भी केडीबी का सदस्य नियुक्त किया जाना चाहिए। गीता महोत्सव में महिलाओं के लिए एक समर्पित कार्यक्रम का आयोजन होना चाहिए। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग जैसे समाज के वंचित वर्गों के अधिक से अधिक बच्चों को गीता पाठ के लिए प्रेरित करने का प्रयास भी किया जाना चाहिए।

हथकरघा उद्योग बन रहा प्लास्टिक का बेहतरीन विकल्प

हरियाणा पवेलियन में प्रिन्ट शॉपी की स्टॉल पर दिखे आधुनिकता के रंग में रंगे हथकरघा उत्पाद

छोटी सी यूनिट से मिला बड़ा बिजनेस, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान

चंडीगढ़, नवंबर : घरों में प्लास्टिक के बने उत्पाद अकसर देखने को मिलते हैं। लेकिन अब हथकरघा इंडस्ट्री इस स्वरूप को बदलने का काम कर रही है। प्लास्टिक की जगह हथकरघा से बने बैग, बास्केट, स्लिंग पर्स, जवैलरी बाक्स, चपाती बाक्स, वॉल हैंगिंग, हैंड बैग बड़े ही आकर्षक रूप में हरियाणा पवेलियन की प्रिन्ट शॉपी की स्टॉल पर देखने को मिल रहे है। नई दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे 43वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में हरियाणा पवेलियन में प्रिन्ट शॉपी स्टॉल के संचालक पानीपत निवासी दीपक कुमार ने बताया कि उन्हें पांच साल पहले हैंडीक्राफ्ट के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। इसके बाद उसने अपने रिश्तेदार के साथ पानीपत में एक छोटी यूनिट लगाई। आरंभ से ही तय किया हाथ से बनाएं प्रौडेक्ट तैयार करेंगें। दीपक ने बताया कि उनकी सोच स्वरोजगार की रही है। यूनिट चाहे छोटी लगाई लेकिन लक्ष्य बड़ा रखा था, लेकिन अब उसी लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे है। उनकी यूनिट से 25 से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। उनके यहां 70 प्रतिशत काम हाथ से किया जाता है और 30 प्रतिशत काम मशीनों से है, जो हाथ से बुनाई कढ़ाई का कार्य है। वह सभी महिलाएं ही करती हैं। इससे आसपास की महिलाओं को रोजगार भी मिला है।

मेले में पहली बार लगाई स्टॉल, सूरजकुण्ड मेले से मिला हौसला

दीपक ने बताया कि मेले में उन्होंने पहली बार स्टॉल लगाई है। सूरजकुंड मेले में वे पहले से ही स्टॉल लगाते आए हैं। जहां से उन्हें एक अच्छा बिजनेस व पहचान मिली है।बड़े मेलों से इंडस्ट्रीज को बढ़ावा मिलता है। प्लास्टिक प्रकृति के अनुकूल नहीं है बल्कि संतुलन बिगाड़ रहा है। धीरे-धीरे प्लास्टिक प्रयोग न करने को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। विकल्प के तौर पर अब कपड़े से बनी वस्तुओं का प्रयोग करने लगे हैं।इससे हथकरघा व्यवसाय मजबूत हो रहा है। सस्ते प्लास्टिक से अच्छा कपड़े से बना उत्पाद है, जो पर्यावरण अनुकूल है और उसे नष्ट करने में भी नुकसान नहीं होता है। हथकरघा से बनी वस्तुएं अब घरों में सजावट के तौर पर भी प्रयोग होने लगी हैं।

भाजपा का सदस्यता पर्व पार्टी का आधारभूत अभियान : फणीन्द्रनाथ शर्मा

भाजपा का सदस्यता अभियान कार्यकर्ता निर्माण की दिशा में पहला कदम

रोहतक, नवबर : भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। भाजपा का सदस्यता पर्व पार्टी का आधारभूत अभियान है। यह अभियान न केवल भाजपा को मजबूत करेगा बल्कि भारत व भारतीयता भी मजबूत होगी। विश्वभर में फैले भाजपा के करोड़ों-करोड़ कार्यकर्ता अपने व्यवहार व कर्म से यह सुनिश्चित करते हैं कि देश का भला पहले है। आप भाजपा की सदस्यता इसलिए न लें कि किसी दल का सदस्य मात्र बनना है बल्कि इसलिए पार्टी के सदस्य बनें कि राष्ट्र के लिए काम करना है। भाजपा के संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा रोहतक स्थित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के सभागार में सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में कार्यकताओं को संबोधित कर रहे थे। सदस्यता पर्व के प्रदेश स्तरीय दो दिवसीय विशेष अभियान के पहले दिन रोहतक स्थित म.द.वि. के पर्यटन विभाग के हाल में 500 से अधिक युवाओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। शर्मा ने कहा कि भाजपा विचार आधारित पार्टी है। कार्यकताओं की मेहनत के बल पर केंद्र और प्रदेश में लगातार बीजेपी की सरकार बन रही है। सदस्यता अभियान कार्यकर्ता निर्माण की दिशा में पहला कदम है इसलिए इस पर गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है। मंडल के हर बूथ पर सक्रियता बढ़ाएं और लोगों को पार्टी की विचारधारा से जोड़कर भाजपा परिवार में शामिल करें। कार्यक्रम के मुख्यातिथि प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया ने कहा कि भाजपा की एक ऐसी विचारधारा, जिसमें राष्ट्र प्रथम, पार्टी दूसरे जबकि स्वयं का तीसरा स्थान है। विश्व का यह एकमात्र विचार है, जो अनूठा ही नही बल्कि प्रेरक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष एडवोकेट रणवीर ढाका ने कहा कि पार्टी के सदस्यता अभियान में रोहतक अपनी सक्रिय भूमिका निभाते हुए तय लक्ष्य को पूरा करेगा। कार्यक्रम का संयोजन छात्र नेता व रिसर्च स्कॉलर डॉ. मन्नू कुंडू ने किया जबकि मंच संचालन जिला उपाध्यक्ष हरिओम मित्तल भाली ने किया। कार्यक्रम के संयोजक मन्नू कुंडू ने सभी अतिथियों व सदस्यता ग्रहण करने पधारे छात्रों का अभिनन्दन किया। प्रो. कुलताज कादयान ने कार्यक्रम में पधारे सभी का धन्यवाद किया जबकि कार्यक्रम में प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय बंसल, युवा मोर्चा के प्रदेश सचिव नारायण भड़ाना, जिलाध्यक्ष दीपू नागपाल, जिला उपाध्यक्ष उदयभान मलिक, वजीर खोखर, श्रीभगवान, संस्कृत विभागाध्यक्ष व अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सदस्यता अभियान के दौरान बैठक में उपस्थित भाजपा के संगठन मंत्री व अन्य नेता।

भाजपा सभी वर्गों को साथ लेकर चलने वाला राजनीतिक दल : मोहन लाल बडौली

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली सदस्यता अभियान के दौरान संबोधित करते हुए, साथ में भाजपा नेता आजाद नेहरा।

गन्नौर, नवंबर : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व में सबसे बड़ा राजनीतिक दल है। उन्होंने कहा कि भाजपा सभी वर्गो को साथ लेकर चलती है और अंत्योदय की भावना के साथ सभी के कल्याण में विश्वास रखती है। मोहनलाल बडौली शनिवार को गन्नौर विधानसभा के गांव शाहपुर तगा मे भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान के दौरान संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वह अधिक से अधिक संख्या में सदस्यता अभियान में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार सभी वर्गो के कल्याण के लिए कार्य कर रही है और अब हमें संगठन को और ज्यादा मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान के प्रति प्रदेश के लोगों मे भारी उत्साह है। उन्होंने कहा कि प्रदेश और विधानसभा स्तर पर पर कार्यकर्ताओं को जो लक्ष्य दिया गया है उसको बहुत जल्दी पुरा कर लिया जाएगा। उन्होंने पार्टी द्वारा जारी किए गए नम्बर 8800002024 पर मिस कॉल करवा कर ग्रामीणों से सदस्यता अभियान की शुरूआत भी करवाई। इस अवसर भाजपा के वरिष्ठ नेता आजाद सिंह नेहरा, मंडल अध्यक्ष विकास त्यागी, युवा नेता विकास त्यागी उर्फ डब्बु त्यागी, पूर्व सरपंच बेगा राजेन्द्र सिंह, युवा मोर्चा के मण्डल अध्यक्ष नितेश त्यागी, सुन्दर सरपंच शाहपुर तगा, वेदप्रकाश सरपंच खेडी तगा, नरेन्द्र खेड़ी, सोमबीर शास्त्री, शियानन्द त्यागी, रामकुमार शर्मा आदि उपस्थित रहे।

कैबिनेट मंत्री से गुडगांव चैम्बर ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्री के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुग्राम में की शिष्टाचार भेंट

भारत को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में हरियाणा के उद्योगों का रहेगा बड़ा योगदान : राव नरबीर सिंह

चंडीगढ़, नवंबर : हरियाणा में सकारात्मक सोच के साथ औद्योगिक इकाइयों के विकास के लिए समन्वित प्रयास किए जाएंगे। प्रदेश में उद्योगों के विकास के लिए अनुकूल नीतियों और वातावरण के साथ प्रशासनिक स्तर पर भी सहयोगात्मक भाव रहेगा। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य और पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह ने यह बात गुडगांव चैम्बर ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्री के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान कही। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व चैम्बर के फाउंडर प्रेसिडेंट पीके जैन ने किया। भेंट के दौरान उद्योगों के हित में सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यो की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान उद्योगों की समस्याओं, नियमों के सरलीकरण, रोजमर्रा के कार्यो में आने वाली समस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। सिंह ने प्रतिनिधिमंडल से चर्चा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत की साख में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि हुई है। विकास में समग्रता को अपनाया गया है। भारत विश्व की 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। सरकार इस पर तेजी से काम कर रही कि भारत विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन सके। इस महत्वपूर्ण यात्रा में हरियाणा व प्रदेश में स्थापित औद्योगिक इकाइयों का भी प्रमुख योगदान रहेगा। प्रदेश में नए निवेश को आकर्षित करके और मौजूदा निवेशों को पोषित करके रोजगार सृजन, कौशल विकास और सतत विकास पर जोर देने के साथ औद्योगिक विकास को नए सिरे से जोर देने पर बल दिया जाएगा। सरकार और उद्योग एक दूसरे के पूरक है।

इन दोनों की सहभागिता से ही राज्य का विकास संभव है। कैबिनेट मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि उद्योगों की मांगों और सुझावों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। उद्योग और सरकार को कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करना होगा ताकि प्रदेश की अर्थव्यवस्था और मजबूत हो सके। हरियाणा की मौजूदा सरकार उद्योगों के विकास के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखती है और भविष्य में भी इसे प्राथमिकता देगी। प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान भेंट के दौरान यह भी निर्णय लिया गया कि उद्योग नीति और उससे संबंधित मुद्दों पर उद्योग जगत के साथ विशेष बैठक आयोजित की जाएगी। गुडगांव चैम्बर ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्री के सदस्यों ने मंत्री राव नरबीर द्वारा उद्योगों के प्रति दिखाए गए सकारात्मक दृष्टिकोण के लिए धन्यवाद दिया। भविष्य में सहयोग जारी रखने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में विकास जैन (प्रेसिडेंट), अरुण खन्ना, सुनील सभरवाल, डीडी गोयल, मोहित मलिक, एसके आहूजा और बीना सोडी जैसे प्रमुख सदस्य शामिल रहे।

प्रधानमंत्री की नीतियों कारण देश के हर राज्य में बन रही है भाजपा की सरकार : सुमन सैनी

लाडवा में कार्यकर्ताओं ने महाराष्ट्र में सरकार बनने को लेकर कार्यकताओं के साथ खुशी मनाते सुमन सैनी।

लाडवा, नवंबर : लाडवा के लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की धर्मपत्नी सुमन सैनी ने कहा कि जिस प्रकार से महाराष्ट्र में पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बनी है, उससे साफ हो गया है कि पूरे देश में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों से ही खुश होकर हर राज्य की जनता भाजपा के पक्ष में वोट देकर भाजपा की सरकार बना रही है। उसी का नतीजा है कि शनिवार को महाराष्ट्र में पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बनी है। वहीं लाडवा हल्के के कार्यकताओं ने उनके साथ जलेबी व लड्डू बांट कर खुशी मनाई।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की धर्मपत्नी सुमन सैनी शनिवार को लाडवा के गांवों ब्राहम्ण, डूडा, डूडी, सलेमपुर, बरोट, बडाचपुर, बडौंदी के बाद लाडवा गांव में लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में कार्यकताओं को सम्बोधित कर रही थीं। उन्होने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में नॉन स्टाप विकास कार्य हो रहे हैं। इस अवसर पर लाडवा नगरपालिका की प्रधान साक्षी खुराना, ज्ञान सिंह, अमित खुराना, नरेंद्र दबखेड़ा, अशोक कुमार, ऋषिपाल, पार्थ शर्मा, आजाद शर्मा, संजीव तथा बलवान सहित भारी संख्या में ग्रामीण व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

हरियाणा : महिलाओं से राज्य स्तरीय पुरस्कारों के लिए आवेदन किए आमंत्रित

चंडीगढ़, नवंबर : हरियाणा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां प्राप्त करने वाली महिलाओं से राज्य स्तरीय पुरस्कारों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 2 दिसंबर है। विभाग द्वारा प्रतिवर्ष विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं को अनेक प्रकार के पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है। यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 08 मार्च को प्रदान किए जाते हैं। प्रवक्ता ने बताया कि इन पुरस्कारों में इंदिरा गांधी महिला शक्ति पुरस्कार एक लाख 50 हजार रुपये व प्रशस्ति पत्र, कल्पना चावला शौर्य पुरस्कार के लिए एक लाख रुपये व प्रशस्ति पत्र, बहन शन्नो देवी पंचायती राज पुरस्कार के लिए एक लाख रुपये व प्रशस्ति पत्र, लाइफटाइम अचीवर्स अवार्ड के लिए 51 हजार व प्रशस्ति पत्र, एएनएम/नर्स/महिला एमपी डब्लयू (2 पुरस्कार) पुरस्कार के लिए 21 हजार व प्रशस्ति पत्र, महिला खिलाड़ी के लिए 21 हजार व प्रशस्ति पत्र, सरकारी कर्मचारी (2 पुरस्कार) के लिए 21 हजार व प्रशस्ति पत्र, सामाजिक कार्यकर्ता (2 पुरस्कार) के लिए 21 हजार व प्रशस्ति पत्र और महिला उद्यमी(2 पुरस्कार) के लिए 21 हजार व प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। इन पुरस्कारों के लिए आवेदन संबंधित जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय या उपायुक्त कार्यालय में जमा किए जा सकते हैं। आवेदन से संबंधित जानकारी, पात्रता एवं आवेदन फॉर्म के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग हरियाणा की वैबसाइट पर विजिट की जा सकती है।

डॉ. घुम्मन को मिला प्रिंसिपल ऑफ दी ईयर अवार्ड-2024

कुरुक्षेत्र/शाहाबाद, नवम्बर : सतलुज सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. आर. एस. घुम्मन को शुक्रवार को चंडीगढ़ में प्लस मिडिया यूनिवर्सल मैंटर्स एसोसिएशन द्वारा प्रिंसिपल ऑफ दी ईयर अवार्ड-2024 से सम्मानित किया गया ' उन्हें यह अवार्ड विशेष अतिथि सी बी.एस.ई के रीजनल ऑफिसर चंदर शेखर, हरियाणा व हिमाचल स्कूल शिक्षा विभाग के स्टेट प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. प्रमोद कुमार व सेकेंडरी स्कूल शिक्षा विभाग हरियाणा के असिस्टेंट डायरेक्टर एकेडमिक कुलदीप मेहता की उपस्थिति में प्रदान किया गया ' उल्लेखनीय है कि डॉ. घुम्मन 42 वर्षो से शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं और उनके द्वारा शिक्षित किए गए विद्यार्थी आज उच्च पदों पर कार्य कर रहे हैं ' वे शिक्षा क्षेत्र के अलावा समाजसेवी संस्थाओं के साथ भी जुड़े हुए हैं। डॉ. घुम्मन द्वारा संचालित शिक्षा संस्थाएं समाज में एक अनूठा स्थान रखती हैं ' क्योंकि यहाँ पर अनुशाशन, शिक्षा, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का अनूठा संगम देखने को मिलता है ' डॉ. घुम्मन ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने परिवारजनों, अध्यापकों और शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति को दिया। स्कूल के सभी स्टॉफ सदस्यों ने प्रिंसिपल डॉ. घुम्मन की इस उपलब्धि पर बधाई दी और लम्बी उम्र की कामना की।

डॉ. घुम्मन को प्रिंसिपल ऑफ दी ईयर अवार्ड-2024 से सम्मानित करते हुए।

हरियाणा सरकार 26 नवंबर को मनाएगी संविधान दिवस : विवेक जोशी

मुख्य सचिव बोले, कुरुक्षेत्र में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री होंगे मुख्य अतिथि

चंडीगढ़, नवंबर : हरियाणा सरकार ने भारतीय संविधान को अंगीकार करने की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाने का निर्णय लिया है। राज्य स्तरीय कार्यक्रम कुरुक्षेत्र में आयोजित किया जाएगा। जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। इस पहल के तहत प्रदेश में सालभर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में हरियाणा के मुख्य सचिव डा. विवेक जोशी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से संबंधित उपायुक्तों, विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्हें संविधान दिवस मनाने के लिए 26 नवंबर को प्रदेश भर में कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। इस ऐतिहासिक अवसर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए डॉ. विवेक जोशी ने कहा कि संविधान को अंगीकार करने की 75वीं वर्षगांठ हमारे संविधान निर्माताओं के योगदान को सम्मान देने और उसे स्वीकार करने का एक उपयुक्त अवसर है। इस स्मरणोत्सव का उद्देश्य भारत के संविधान में निहित मूल मूल्यों को दोहराना और लोकतंत्र को मजबूत करने में नागरिकों को उनकी सही भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना है।

विभिन्न कार्यक्रमों की बनाई गई योजना

बैठक में उपायुक्तों और कुलपतियों ने बताया कि संविधान दिवस मनाने के लिए संविधान की प्रस्तावना पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, वाद-विवाद, पोस्टर-मेकिंग प्रतियोगिता, अतिथि व्याख्यान, फिल्म स्क्रीनिंग, वाल पेंटिंग जैसे विभिन्न कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। इस पहल में ग्राम पंचायतों को भी शामिल किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायतों और अमृत सरोवर स्थलों पर प्रस्तावना का सामूहिक पाठ आयोजित किया जाएगा। संविधान बनाने में बाबा साहेब डॉ. भीम राव अंबेडकर के योगदान का प्रचार करने के लिए 14 अप्रैल 2025 से 28 अप्रैल 2025 तक प्रदेश भर में संविधान स्वाभिमान यात्रा निकाली जाएगी। मुख्य सचिव ने जोर देकर कहा कि संविधान को अंगीकार करने की 75वीं वर्षगांठ पर अधिक से अधिक जन भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कार्यक्रमों में गैर-सरकारी संगठनों, छात्रों, संकाय सदस्यों, संविधान विशेषज्ञों और समाज के प्रमुख लोगों को शामिल किया जाना चाहिए। यह समारोह संविधान तैयार करने में किए गए प्रयासों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ इसके प्रमुख प्रावधानों पर भी प्रकाश डालेगा। सालभर चलने वाली यह पहल हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान टैगलाइन के तहत संचालित की जाएगी। चार केंद्रीय विषयों : संविधान की प्रस्तावना, अपने संविधान को जानें, संविधान का निर्माण और संविधान की महिमा का जश्न मनाना के इर्द-गिर्द घूमेगी। आम नागरिकों को भी इस अभियान में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। वे अपनी सेल्फी वेबसाइट पर अपलोड कर सकते हैं। बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विनीत गर्ग, विरासत और पर्यटन विभाग की प्रधान सचिव कला रामचंद्रन, सूचना, जनसंपर्क, भाषा और संस्कृति विभाग के महानिदेशक के. मकरंद पांडुरंग, कार्मिक, प्रशिक्षण और संसदीय मामलों के विशेष सचिव आदित्य दहिया, सूचना, जनसंपर्क और भाषा विभाग की अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) वर्षा खंगवाल और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

केयू स्पार्टन टीम बनी टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता की चैंपियन

रोमांचक मैच में एडमिन प्लेयर्स को दी 26 रन से मात

कुरुक्षेत्र, नवबर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल के खेल मैदान में शनिवार को केयू गैर-शिक्षक कर्मचारी के अनौपचारिक टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मैच में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए केयू स्पार्टन टीम ने चैम्पियन का खिताब जीता। इस अवसर पर कुवि के सहायक कुलसचिव विनोद वर्मा ने टॉस उछालकर फाइनल मैच में खिलाड़ियों को अच्छे खेल के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि खेल न केवल हमारे शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी जरूरी है। मैच में एडमिन प्लेयर्स के कप्तान पवन शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। केयू स्पार्टन टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 144 रन बनाए जिसमें अजय डोगरा ने 25, अंशुल शर्मा ने 22, अशोक थापा ने 21 तथा सुशील यादव ने 20 रन की अहम पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी केयू एडमिन प्लेयर्स की टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 118 रन ही बना सकी। एडमिन प्लेयर्स के ओपनर बल्लेबाज रविन्द्र सैनी सर्वाधिक 47 रन बनाए।

मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए स्पार्टन टीम के ओर से सुशील यादव ने 3 विकेट झटके वहीं रामेश्वर दास, अंशुल शर्मा व हरीश गैरोला ने 1-1 विकेट लिया। मैच में शानदार गेंदबाजी और बल्लेबाजी के लिए सुशील यादव को मैन आफ द मैच का खिताब दिया गया। इसके साथ ही सुशील यादव को बेस्ट बॉलर ऑफ द सीरीज का भी खिताब दिया गया। केयू स्पार्टन के अंशुल शर्मा को मैन आफ द सीरीज तथा एडमिन प्लेयर्स के रविन्द्र सैनी को बेस्ट बैटसमैन आफ द सीरीज का खिताब मिला।

मुख्यातिथि विनोद वर्मा ने विजेता टीम के कप्तान हरीश गैरोला को चैम्पियन ट्रॉफी देकर सम्मानित करते हुए कहा कि प्रतियोगिता का सफल समापन गैर-शिक्षक कर्मचारियों की खेल के प्रति सच्ची समर्पण भावना का प्रतीक है। गौरतलब है कि केयू स्पार्टन टीम प्रतियोगिता के सभी मैच जीतकर उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। वही प्रतियोगिता के 14 मैचों में कुल 102 छक्के व 416 चौके लगे। मैच में अंपायर की भूमिका अरविन्द श्रीवास्तव व शमशेर चौहान ने निभाई।

सुशील यादव को मिला मैन आफ द मैच, बेस्ट बॉलर आफ द सीरीज

विजेता टीम के खिलाड़ी।

घर लौट रहे किसान का ट्रैक्टर पलटा, एक की मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायल

■ जालौन-उरई

गल्ला मंडी में धान बेचकर घर लौट रहे किसान का ट्रैक्टर पलटा गया । टैक्टर पलटने से एक व्यक्ति की मौत हों गयी जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हों गया । सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया ।

सिरसा कलार थाना क्षेत्र के ग्राम ग?गुवां निवासी कल्याण सिंह सेंगर (24) पुत्र रामबहादुर सिंह शुक्रवार को गांव के ही राजेन्द्र दोहरे (36) पुत्र सियाचरण के साथ ट्रैक्टर की ट्रॉली में धान लादकर उसे जालौन मंडी में बेचने के लिए लाए थे। देर शाम तक उनका धान मंडी में बिक पाया। शाम करीब सात बजे वह दोनों मंडी में धान बेचकर ट्रैक्टर से गांव लौटने लगे। जब वह बिरहरा बंबा के पास पहुंचे तो वहां बंबा के आगे किसानों ने खेत में पानी लगाने के लिए सड़क से होकर पाइप लाइन डाली थी। जिसे सुरक्षित रखने के लिए उन्होंने मिट्टी का ब्रेकर बना दिया था। रात में तेज गति से जाते हुए ट्रैक्टर चालक कल्याण सिंह ने अचानक से जब ब्रेकर को सामने देखा तो स्पीड पर काबू पाने के लिए तेजी से ब्रेक लगा दिया। लेकिन वह ट्रैक्टर को संतुलित नहीं रख सका और ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में गिर गया। ट्रैक्टर पर सवार कल्याण सिंह और राजेंद्र दोनों ही उसके नीचे दब गए। वहां से निलक रहे लोगों ने परिजनों को जानकारी दी। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने किसी तरह दोनों को निकाला और उन्हीं सीएचसी लेकर आने लगे। लेकिन सीएचसी पहुंचने से पहले ही राजेंद्र ने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। वहीं, कल्याण सिंह को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस भी सीएचसी पहुंच गई। जहां मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक की पत्नी ऊषा भी बीमार है। मृतक के एक बेटी अंजना (10) व दो बेटे राघव (8) व प्रिंस (6) हैं।

अल्ट्रासाउंड कक्ष का एसीएमओ व एसडीएम ने किया निरीक्षण

■ जालौन-उरई

स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अल्ट्रासाउंड की सुविधा जल्द से जल्द उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए जहां पिछले सप्ताह स्थान का चयन किया गया था। अबकी अल्ट्रासाउंड कक्ष में मशीन की स्थापना और अन्य व्यचस्थाओं को लेकर एसीएमओ और एसडीएम की टीम ने कक्ष का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की ओपीडी मरीजों की संख्या में पहले स्थान पर है। अभी तक अस्पताल में अस्पताल में अल्ट्रासाउंड सुविधा उपलब्ध न होने से लोगों को काफी परेशानी उठानी प?ती थी। उन्हें मंहगे दाम पर अन्य जगह अल्ट्रासाउंड कराना प?ता था। इसको लेकर नगर की जनता अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग कर रही थी। इसको लेकर अशफाक राईन ने कई बार शिकायती पत्र भी भेजे थे। जनता की सुविधा को देखते हुए सीएचसी जालौन और कोंच में अल्ट्रासाउंड की सुविधा शीघ्र ही शुरू होने जा रही है। इसको लेकर पिछले सप्ताह 13 नवंबर को एसीएमओ डॉ. अरविंद भूषण ने सीएचसी पहुंचकर जगह को चयनित किया था। जिसमें सीएचसी परिसर में पैथोलॉजी लैब के पीछे कमरे का चयन किया गया था। कमरे के चयन के बाद उसमें सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश सीएचसी प्रभारी डॉ. केडी गुप्ता को दिए थे। शुक्रवार को एसीएमओ व एसडीएम विनय मौर्य पुनः सीएचसी पहुंचे। जहां उन्होंने कमरे में मशीन रखने के स्थान, टेबिल, मरीज के लेटने के स्थान आदि व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही मरीजों के सुविधा के लिए शौचालय आदि के स्थान की व्यवस्थाओं को देखा।

डॉक्टर के बैठने के लिए टेबिल, मरीजों के लेटने के लिए टेबिल वहां लगी मिली। जिस पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के बाद एसीएमओ ने बताया कि अल्ट्रासाउंड मशीन को शीघ्र ही स्थापित कराने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इसी को लेकर निरीक्षण था। निरीक्षण में कमरे में आवश्यक सामान उपलब्ध मिला है। इसकी रिपोर्ट भेजी जाएगी। इसके बाद मशीन को मंगवाने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही डॉक्टर को भी प्रशिक्षण के लिए भेजा जाना है। उम्मीद है कि नए वर्ष तक अल्ट्रासाउंड मशीन का संचालन शुरू हो जाएगा। इस मौके पर सीएचसी प्रभारी डॉ. केडी गुप्ता, डॉ. विनोद राजपूत, डॉ. योगेश आर्या, डॉ. राजीव दुबे आदि मौजूद रहे।

धारदार हथियार से युवक हमला पीड़ित ने पुलिस से की शिकायत

■ कोंच

कोतवाली क्षेत्र के दोहर की रहने वाली साक्षी कुशवाहा पुत्री गुलाब सिंह ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि शनिवार की सुबह वह तथा उसका भाई सत्यम घर पर थे तभी गांव के ही 4 युवक घर के अंदर आ गए और गंदी-गंदी गालियां देने लगे। जब उसने गालियां देने से मना किया तो उन लोगों ने उसके व भाई सत्यम के साथ मारपीट कर दी। शिकायतकर्ता ने बताया कि हमलावरों ने भाई पर धारदार हथियार से हमला कर उसको बुरी तरह लहूलुहान कर दिया। उसकी अन्य बहनें बीच-बचाव करने आईं तो हमलावरों ने उनके साथ भी मारपीट की और पुलिस से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। घायल सत्यम को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां से गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। घटना को लेकर प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार राय का कहना है कि युवती ने शिकायती पत्र दिया है, मामले की जांच की जा रही है जांच के आधार पर दोषियों पर कडी कार्यवाही की जाएगी।

हार जीत की बाजी लगा रहे सात जुआरी गिरफ्तार

■ जालौन-उरई

नहर कोठी परिसर में हार जीत की बाजी लगा रहे सात लोगों को कोतवाली पुलिस ने पकड़ा। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के पास से लगभग साढ़े 12 हजार रुपये नकद व ताश की गड्डी बरामद की।

कोतवाली प्रभारी वीरेंद पटेल को सूचना मिली कि नहर कोठी परिसर में स्थित कुंए पर कुछ लोग हार जीत की बाजी लगा रहे हैं। सूचना मिलते ही उन्होंने एसआई ओंकार सिंह को पुलिस फोर्स के साथ मौके पर भेजा। मौके पर पहुंची पुलिस को देखते ही वहां जुआ खेल रहे लोगों में भगदड़ मच गई। पुलिस ने मौके से शिवाजी खंडेराव, सनी धर्मशाला, रमेश, श्याबाबू व अमित भवानीराम, अनू व रविंद चुर्खीबाल को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उनके पास से 12390 रुपये बरामद किए। पुलिस ने पकड़े गए सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सड़क दुर्घटना में घायल ट्रक चालक की पत्नी ने दर्ज कराया मुकदमा

■ कालपी-उरई

सड़क दुर्घटना में घायल ट्रक चालक की पत्नी की ओर से कालपी कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराकर कार्रवाई करने की मांग की गई है। उक्त मामले को लेकर सायरा पत्नी कमल कुमार निवासिनी ग्राम अमरौधा थाना भोगनीपुर ने मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि प्रार्थिनी की पति कमल कुमार पुत्र इंद्रपाल सिंह ट्रक चलाकर परिवार का भरण पोषण करते थे। दिनांक 10-9-24 की रात लगभग 12 बजे मेरे पति ट्रक नं-.यूपी-93-बीटी-3371 से ईटा लादकर झांसी से कानपुर के लिए जा रहे थे। तभी कालपी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम छौंक स्थित चौकी के समीप हाइवे रोड में सामने से आ रहे ट्रक संख्या यूपी-92-एटी-7208 से टकरा गया। इस दुर्घटना में प्रार्थिनी के पति को चोटें आई हैं तथा प्रार्थिनी के पति का काफी दिनों से इलाज चल रहा है। पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज करके विवेचना उपनिरीक्षक जितेंद्र सिंह को सौंपी है।

छात्रा साक्षी अवस्थी को एक दिन का कोतवाल बनने का मिला मौका

■ जालौन-उरई

मिशन शक्ति फेज पांच के तहत आनंदी बाई हर्षे बालिका इंटर कॉलेज की छात्रा साक्षी अवस्थी को एक दिन का कोतवाल बनने का मौका मिला।

इस समय मिशन शक्ति फेज पांच के तहत महिला और बालिका सशक्तिकरण के प्रयास चल रहे हैं। छात्राओं को अधिकारियों से मिलने और उनकी कार्यप्रणाली को समझने का मौका दिया जा रहा है। इसी क्रम में आनंदी बाई हर्षे बालिका इंटर कॉलेज की छात्रा साक्षी अवस्थी को एक दिन का कोतवाल बनने का मौका मिला। जिसमें कोतवाली पहुंची। साक्षी अवस्थी ने सबसे पहले कोतवाली परिसर का निरीक्षण किया। विभिन्न पटलों पर होने वाले कार्यों को समझा। कोई शिकायतकर्ता कहां पहुंचकर अपनी शिकायत दे सकता है। शिकायत पर क्या कार्रवाई होनी है और उसका क्या निस्तारण हो सकता है। इसके बारे में भी जानकारी ली। महिला संबंधी अपराधों के लिए बनाई गई महिला हेल्प डेस्क का भी निरीक्षण किया। आरोपी को कहां और कैसे बैठाना है इसकी भी जानकारी ली। यदि दोनों पक्ष आपसी सहमति से समझौते के लिए तैयार हैं तो क्या करना है और यदि उनके बीच विवाद समाप्त नहीं हो रहा है तो किस प्रकार रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी। इन सभी प्रक्रियाओं को उन्होंने बारीकी से जाना।

कोतवाल वीरेंद्र पटेल व सीओ शैलेंद्र बाजपेई ने छात्रा को विभाग की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से समझाया। वहीं, साक्षी ने बताया कि उसे पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली को समझकर अच्छा लगा। आगे वह आईएएस बनकर महिला उत्थान के संबंध में कार्य करना चाहेंगी।

राज्य महिला आयोग की सदस्य 27 नबम्वर को करेंगी जन सुनवाई

उरई। सदस्य सचिव उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग लखनऊ के निर्देशानुसार ने जनपद जालौन में राज्य महिला आयोग की सदस्य सदस्य अनुपमा सिंह लोधी 27 नवंबर 2024 को विकास भवन के रानी लक्ष्मीबाई सभागार में महिला की समस्याओं को त्वरित निस्तारण हेतु जनसुनवाई करेंगीं। महिला जनसुनवाई तथा भिन्न भिन्न आवासीय संस्थानों का निरीक्षण करेंगी अतः आम जनों को सूचित किया जाता है की महिला आयोग की जनसुनवाई में महिलाएं प्रतिभाग कर समस्याओं का निराकरण किया जाएगा।

एसडीएम ने डेढ़ दर्जन पोलिंग बूथों का किया औचक निरीक्षण

■ कालपी-उरई

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के अनुरूप लगातार दो दिनों तक चलने वाले निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण कार्यक्रम शनिवार को कालपी 220 विधानसभा क्षेत्र में चलाया गया। इस दौरान समस्त बूथों में बीएलओ ड्यूटी पर तैनात रहे। पहले दिन उपजिलाधिकारी सुशील कुमार सिंह ने डेढ़ दर्जन बूथों का औचक निरीक्षण किया, इस दौरान उन्होंने निर्वाचन नामावली पुनरीक्षण से सम्बन्धित कार्य के लिए बीएलओ को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देश पर शनिवार को उपजिलाधिकारी सुशील कुमार सिंह के द्वारा कालपी नगरीय क्षेत्र के आर्य कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज राम चबूतरा कालपी, एम सी इंटर कॉलेज कालपी के बूथों के अलावा ग्रामीण क्षेत्र में भी भ्रमण करते हुये पूर्व माध्यमिक विद्यालय छौक, उच्च पूर्व माध्यमिक विद्यालय जोल्हूपुर ,परिषदीय विद्यालय चमारी आदि का बूथों का स्थलीय निरीक्षण किया। इसी तारतम्य में प्राथमिक विद्यालय उसर गांव में आयोजित मतदाता जागरूकता अभियान में उन्होंने नागरिकों से संवाद स्थापित करके पात्र लोगों के नाम मतदाता सूची में शामिल करने के लिए आव्हान किया। एसडीएम ने ड्यूटी में मौजूद बीएलओ से कार्यों की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि 1 जनवरी 2025 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने वाले पात्र युवक-युवतियों के नाम हर सूरत में मतदाता सूचियों में अंकित कराये जाए। सभी बीएलओ अपने-अपने दायित्वों का निर्वाह ईमानदारी से करें। जिलाधिकारी ने हिदायत देते हुए कहा कि मतदाता सूची में नाम बढ़ाने के लिए फार्म 6 तथा नाम हटाने के लिए फार्म 7 तथा नाम संशोधन करने के लिए फार्म 8 को भरने की कार्यवाही अमल में लाई जाए। उप जिलाधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशन पर सभी बीएलओ को निष्पक्षता से कार्यों को निपटाने के निर्देश दिए।

एसडीएम ने आधा दर्जन परिषदीय विद्यालयों में निरीक्षण कर शिक्षा की गुणवत्ता परखी

■ कालपी-उरई

शनिवार को प्राथमिक शिक्षा की हकीकत को परखने के लिए उपजिलाधिकारी सुशील कुमार सिंह ने आधा दर्जन परिषदीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों से सवाल जबाब दिये। एसडीएम के औचक निरीक्षण से बेचैनी फैल गई।

जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय के निर्देशन के अनुरूप परिषदीय प्राथमिक विद्यालय चमारी में उपजिलाधिकारी सुशील कुमार सिंह औचक तरीके से पहुंचे। एसडीएम ने विद्यार्थियों से विभिन्न विषय में प्रश्न पूछें, बच्चों के सही जबाब देने पर अधिकारियों ने संतोष व्यस्त किया। उपजिलाधिकारी सुशील कुमार सिंह ने शिक्षकों से विद्यालयों में बच्चों की संख्या बढ़ाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उपजिलाधिकारी ने विद्यालयों में बनने वाले मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था का अवलोकन किया। भ्रमण के दौरान एसडीएम ने पूर्व माध्यमिक विद्यालय छौक में पहुंच कर निरीक्षण किया। उन्होंने बारीकी से विद्यालय का निरीक्षण किया तथा शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं से संवाद स्थापित किया।इस दौरान उन्होंने शिक्षकों को निर्देश दिए कि शिक्षा की गुणवत्ता ठीक रखी जाए तथा छात्र-छात्राओं की उपस्थिति बढाई जाए। इसी तारतम्य में ग्राम जोल्हूपुर,ऊसरगांव आदि के अलावा नगरीय क्षेत्र कालपी के परिषदीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया।उप जिलाधिकारी ने बताया कि विद्यालयों की पढ़ाई की हकीकत को रखने के लिए निरंतर निरीक्षण किया जाएगा।

तेगबहादुर का बलिदान दिवस शहीद दिवस के रूप में मनाया

स.बा.वि.म. की छात्राओं ने सामूहिक रूप से किया भोज

■ कोंच

सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कालेज, सरस्वती शिशु मंदिर और सरस्वती शिशु वाटिका गल्ला मंडी में माँ भारती के सच्चे सपूत गुरु तेगबहादुर का बलिदान दिवस मनाया गया प्रधानाचार्या आभा तिवारी के मार्गदर्शन में मनाये गए बलिदान दिवस में शामिल छात्राओं ने गुरु तेगबहादुर के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। प्रधानाचार्या सहित शिक्षक शिक्षिकाओं ने तेगबहादुर के जीवन चरित्र के बारे में छात्र छात्राओं को अवगत कराया। वहीं इस अवसर पर सामूहिक भोज भी किया गया। इस मौके पर शिशु वाटिका प्रभारी नरेंद्र सिंह, कृष्णकुमार पांचाल, सुनील पाठक, वेदप्रकाश निरंजन, पंकज बाजपेई, आनंद भारद्वाज, शैलेन्द्र यादव, विवेक तिवारी, मनीष अग्रवाल, राजीव राठौर, मनोज दुबे, सरला मिश्रा, सरोज खरे, नीतू गर्ग, प्रभा गुप्ता, राधा दुबे, आकांक्षा सिंह, पूजा राठौर, रंजना तिवारी, ज्योति गुप्ता, शुर्ति गुप्ता, शिवानी सिंह, वंदना अवस्थी, साधना चतुर्वेदी, सरिता कुशवाहा, अंजना चचोदिया, अशोक शर्मा, हरिकिशोर निरंजन, रौली मिश्रा, धीरेन्द्र सिंह, मृदुल दुबे, सतीश पाण्डेय, सुलभ अग्रवाल, रवि कुमार, योगेश सिंह, अंकित कुमार, रामकुमार निरंजन, विनीत खरे, अरविन्द पटैरिया, जीतेन्द्र साहू, शुभम अग्रवाल, पूजा राठौर, दिव्या मिश्रा, सोनम दीक्षित चंदा कुशवाहा, सरिता सिंह आदि उपस्थित रहीं।

विद्युत विभाग के आला अधिकारियों ने चलाया डोर टू डोर वसूली अभियान

■ कोंच

विद्युत एक्सईएन जितेंद्र नाथ ने उपखंड अधिकारी अनिरुद्ध कुमार मौर्य और अवर अभियंता अमन पांडेय के साथ मिलकर नगर के मुहल्ला लाजपत नगर और तिलक नगर में डोर टू डोर राजस्व वसूली अभियान चलाया। इस दौरान 5 हजार और इससे अधिक के बकायेदार उपभोक्ताओं से 3 लाख रुपये राजस्व वसूला गया जबकि मौके पर बकाया धनराशि जमा न करने पर 42 कनेक्शन काट दिए गए। एक्सईएन ने सभी उपभोक्ताओं को चेतावनी देते हुए कहा कि प्रत्येक माह अपने बिलों की धनराशि जमा करें अन्यथा उनके कनेक्शन काट दिए जाएंगे।वही उन्होने कहा चोरी से बिजली का उपयोग करने पर मुकदमा दर्ज कराया जायेगा। उपखंड अधिकारी अनुरुद्ध कुमार मौर्य ने बताया कि राजस्व वसूली अभियान प्रतिदिन अलग अलग इलाकों में जारी रहेगा। इस दौरान संविदा कर्मी अनूप कुमार, रिंकू कुशवाहा, धीरज कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

एसडीएम की अध्यक्षता में कोतवाली में हुआ थाना समाधान दिवस का आयोजन

अधिकारियों ने सुनी फरियादियों की शिकायतें

■ कोंच

कोतवाली सहित सर्किल के थाना कैलिया और नदीगाँव में आयोजित किए गए समाधान थाना दिवस में कुल 17 शिकायतें दर्ज कराई गयीं। कोतवाली में उपजिलाधिकीरी ज्योति सिंह और कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार राय ने आए हुए फरियादियों की शिकायतें सुनते हुए अधीनस्थ चौकी प्रभारियो सहित राजस्व कर्मियों को निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण कार्य में अनावश्यक रूप से देरी न करें और पूरी गुणवत्ता के साथ निस्तारण करें जिससे एक ही शिकायत हर बार सामने न आए। यहां पर कुल 11 शिकायतें दर्ज करायी गयीं जिनमें से 2 शिकायतें ही मौके पर निस्तारित की जा सकीं। पहाड़गाँव निवासी मनमोहन ने नाली की दुर्दशा, आजाद नगर कोंच निवासी सोनम ने सरकारी हैंडपंप न होने से पेयजल संकट की समस्या और जवाहर नगर निवासी राजकुमार ने नगर पालिका द्वारा बदनपुरा मौजे में बनाई गयी नाली का निकास न किए जाने से घरों से निकलने वाला पानी जमा होने की शिकायत दर्ज करायी। वहीं थाना नदीगाँव में थानाध्यक्ष दिव्य प्रकाश तिवारी की अध्यक्षता में हुए समाधान थाना दिवस में मात्र 1 शिकायत ही दर्ज करायी गयी। थाना कैलिया में थानाध्यक्ष राजीव कुमार ने शिकायतें सुनी। यहां पर 5 शिकायतें दर्ज करायी गयीं जिनमें से 1 शिकायत मौके पर ही निस्तारित कर दी गयी।

देश समाचार

दिल्ली की वायु गुणवत्ता एक्यूआई 371 हुआ दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली की वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक शुक्रवार सुबह 10 बजे दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 371 था। हालांकि दिल्ली के कुछ क्षेत्रों में एक्यूआई अब भी 400 अधिक दर्ज किया जा रहा है। राजधानी दिल्ली में ग्रेप 4 की पाबंदियां लागू हैं। राष्ट्रीय राजधानी में कोहरे की स्थिति में सुधार हुआ है। मौसम विज्ञान विभाग ने अगले सात दिनों तक मध्यम कोहरा और धुंध बने रहने की भविष्यवाणी की है। आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से थोड़ा ऊपर रहने की उम्मीद है।

प्रदूषण पर सामूहिक कार्रवाई की जरूरत

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को दिल्ली सहित समूचे उत्तर भारत में बढ़ते प्रदूषण का मुद्दा उठाया और कहा कि हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम साथ आएं, चर्चा करें और भारत को इस संकट से बचाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे पर राजनीतिक दोषारोपण नहीं, बल्कि सामूहिक राष्ट्रीय प्रतिक्रिया की जरूरत समझते हैं। राहुल गांधी ने वीडियो में पर्यावरण विशेषज्ञ से बातचीत साझा करते हुए एक ट्वीट में कहा कि थोड़े दिनों में संसद सत्र शुरू होने वाला है और यह सभी सांसदों को याद दिलाएगा कि प्रदूषण कितना बड़ा संकट है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण का बादल सैकड़ों किलोमीटर तक फैला है और इसे साफ करने के लिए सरकार, कंपनियों, विशेषज्ञों और नागरिकों को बड़े बदलाव और निर्णायक कार्यवाही के लिए आगे आना होगा।

मुठभेड़ में आतंकी गैंग के दो गुर्गे पकड़े

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने जालंधर में मुठभेड़ कर आतंकी गैंगस्टर लखबीर लांडा के दो गुर्गों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान दोनों गैंगस्टरों के अलावा दो पुलिस कर्मी भी घायल हो गए हैं। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने जारी जानकारी में बताया कि यह मुठभेड़ शुक्रवार को सुबह हुई है। गिरफ्तार बदमाशों में भीखा नंगल गांव का जसकरण सिंह उर्फ करण और फगवाड़ा का रहने वाला फतेहदीप सिंह उर्फ प्रदीप सैनी शामिल हैं। पुलिस को उनके कब्जे से कुल सात पिस्टल और कारतूस बरामद हुए हैं। हथियार एक थैले में भरकर रखे हुए थे।

मणिपुर: सुबह 5 से दोपहर 12 तक कर्फ्यू में ढील दी

इंफाल। मणिपुर में शुक्रवार सुबह 5 से दोपहर 12 तक कर्फ्यू में ढील दी गई। कर्फ्यू में ढील के समय में लगातार बदलाव हो रहे हैं। शुरुआत में सभी जिलाधिकारियों ने कर्फ्यू में ढील के समय सुबह 5 बजे से शाम 4 बजे तक के आदेश दिए थे। बाद में इसे घटनाकर दोपहर 12 बजे कर दिया गया।

लोकमंथन जैसे कार्यक्रमों से देश की संस्कृति व परंपराएं होंगी सुदृढ़

एकता व सद्भावना ही हमारी सभ्यता है यही हमारा भविष्य है: राष्ट्रपति मुर्मु

एजेंसी, हैदराबाद

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को कहा कि लोकमंथन जैसे कार्यक्रमों से देश की संस्कृति एवं परंपराएं सुदृढ़ होंगी। इसकी दिशा में यह एक बेहतरीन कार्यक्रम है। भारत की सांस्कृतिक विरासत बहुत समृद्ध रही है। देश की संस्कृति और परंपराओं में विविधता में एकता के दर्शन होते हैं। हैदराबाद के शिल्पकला वेदिका में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं सांस्कृतिक महोत्सव 'लोकमंथन-2024' के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें इस कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में भाग लेते हुए गर्व महसूस हो रहा है। मुर्मु ने कहा कि वर्ष 2018 में रांची में आयोजित लोकमंथन में वे शामिल हुई थीं और आज एक बार फिर लोकमंथन में शामिल होने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि यही हमारी ताकत है, यही हमारी स्थिरता है। एक ही स्थान पर इतनी सारी विभिन्न संस्कृतियों का होना वास्तव में बहुत सुंदर है। हमारा देश इन सभी चीजों से एक खूबसूरत इंद्रधनुष की तरह है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तेलंगाना में लोकमंथन-2024 के उद्घाटन सत्र में शामिल हुईं।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हम सभी भारतीय हैं, चाहे हम ग्रामीण हों या शहरवासी। उन्होंने कहा कि भारत की आध्यात्मिक अवधारणाओं, कला, संगीत, शिक्षा और चिकित्सा पद्धतियों ने दुनिया भर में सम्मान अर्जित किया है। कहते हैं हमने दुनिया को ज्ञान दिया है। वर्तमान समय में भारत के ज्ञान को पुनः पूरे विश्व में फैलाने की आवश्यकता है। विदेशी शक्तियों ने सदियों तक हम पर अत्याचार किया है। हमारी संस्कृति, भाषा, परंपराओं और रीति-रिवाजों को नष्ट कर दिया। हमारी एकता को नुकसान पहुंचाने का काम किया है। ऐसा कहा जाता है कि हमारे अंदर गुलामी की जड़ें पैदा कर दी गई हैं लेकिन हमारे देशवासियों ने संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखा है।

अहिल्याबाई होल्कर का स्मरण

राष्ट्रपति मुर्मु ने यह जानकर प्रसन्नता व्यक्त की कि लोकमंथन में अहिल्याबाई होल्कर, रानी रुद्रमादेवी और रानी लक्ष्मीबाई जैसी वीरांगनाओं के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से जुड़ी प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि यह सराहनीय है कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं का विदेशों में पालन किया जा रहा है। वह इंडोनेशिया सहित विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों की हृदय से सराहना करती हैं जो इस मंच के माध्यम से अपनी संस्कृति का प्रदर्शन कर रहे हैं।

अभाविप के राष्ट्रीय अधिवेशन का गोरखपुर में हुआ शुभारंभ

स्वावलंबन से भारतीय युवाओं का भविष्य होगा उज्ज्वल : श्रीधर वेम्बु

एजेंसी, गोरखपुर

उद्योगपति एवं जोहो कॉरपोरेशन के सह संस्थापक श्रीधर वेंबु ने शुक्रवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के 70वें राष्ट्रीय अधिवेशन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत को आज स्वावलंबन की ओर अग्रसर होने की आवश्यकता है। स्वावलंबन से ही युवाओं का भविष्य उज्ज्वल होगा। आत्मविश्वास, आत्मप्रेरणा एवं आत्मानुशासन व्यक्ति के जीवन को सार्थक बनाने में महती भूमिका निभाते हैं। इसमें से सबसे महत्वपूर्ण आत्मानुशासन के गुण विद्यार्थी परिषद कार्यकर्ताओं में परिलक्षित होते हैं। श्रीधर वेम्बू ने पं.दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर के परिसर में आयोजित

एक दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा कि असफलताओं से कभी भयभीत नहीं होना चाहिए। इससे संकल्प शक्ति मिलती है और अर्जित इस शक्ति के साथ जब दृढ़ विश्वास के साथ व्यक्ति कार्य करता है तब वह निश्चित रूप में सफलता प्राप्त करता है। आज हम विकसित भारत की संकल्पना की बात करते हैं, इसके लिए केवल एक जिले को नहीं अपितु समूचे भारत के सभी जिलों को विकसित होना पड़ेगा। संस्कृत में भी कहा गया है 'धर्मस्य मूलं अर्थः', जिसका मतलब धर्म का आधार अर्थ है। यदि आर्थिक मजबूती नहीं रहेगी तो धर्म भी पूर्णरूप से नहीं रह पाएगा।

उन्होंने कहा कि भारत को नवाचार का केंद्र बनाने का समय आ गया है। इसके लिए शिक्षा, तकनीकी विकास और सामाजिक समर्पण को प्राथमिकता देनी होगी। साथ ही उद्यमिता काफी महत्वपूर्ण है और इसी के माध्यम से स्वावलंबन की ओर हम आगे बढ़ सकेंगे। संतुलन, समरसता और सद्भाव से ही हम विकास के पथ पर अग्रसर हो सकेंगे किंतु हमें यह ध्यान रखना होगा कि इसका उद्देश्य भारतीय संस्कृति के संवर्धन से जुड़ा होना चाहिए।

पनडुब्बी की जहाज से टक्कर, चालक दल सुरक्षित

नई दिल्ली। मछली पकड़ने वाले भारतीय जहाज मार्थोमा की गोवा के उत्तर-पश्चिम में लगभग 70 समुद्री मील की दूरी पर भारतीय नौसेना की पनडुब्बी से टक्कर हो गई। जहाज में 13 लोग सवार थे। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि भारतीय नौसेना ने छह जहाजों और विमानों के साथ तुरंत खोज और बचाव अभियान शुरू किया। अब तक 11 चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित बचाया गया है। घटना के कारणों की जांच की जा रही है। चालक दल के शेष दो सदस्यों के लिए खोज और बचाव अभियान जारी है। इस संबंध में समुद्री बचाव समन्वय केंद्र मुंबई (एमआरसीसी) के साथ समन्वय किया जा रहा है। क्षेत्र में बचाव प्रयासों को बढ़ाने के लिए तटरक्षक बल सहित अतिरिक्त संसाधनों को भेजा गया है।

सावरकर गाथा को सार्वजनिक चर्चा में लाना है: रणदीप हुड्डा

नई दिल्ली। स्वातंत्र्य वीर सावरकर की जीवनी पर आधारित फिल्म बनाने वाली टीम ने 55वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में मीडिया से बातचीत की। फिल्म को भारतीय पैनोरमा खंड की शुरुआती फीचर के रूप में प्रदर्शित किया गया। इस कार्यक्रम में फिल्म की रचनात्मक यात्रा और इसके ऐतिहासिक महत्व पर विचार करने के लिए एक मंच प्रदान किया गया। नायक दामोदर सावरकर की मुख्य भूमिका निभाने वाले और फिल्म के निर्देशक रणदीप हुड्डा ने फिल्म निर्माण की चुनौतियों की तुलना भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वीर सावरकर द्वारा सामना किए गए संघर्षों से की। मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें गुमनाम नायक वीर सावरकर की वास्तविक गाथा को सार्वजनिक चर्चा में लाने का बीड़ा उठाना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि सावरकर हमेशा भारत को सैन्य रूप से सशक्त देखना चाहते थे। आज, विश्व में हमारे प्रभाव में काफी सुधार हुआ है। यह फिल्म सशस्त्र संघर्ष के एक और पहलू को उजागर करती है, जिसमें दिखाया गया है कि कैसे इसने क्रांतिकारियों को स्वतंत्रता के लिए हथियार उठाने के लिए प्रेरित किया।

■ स्वातंत्र्य वीर सावरकर' के कलाकारों और क्रू ने मीडिया से बातचीत की

आंख खोलने वाली फिल्म: अंजलि

फिल्म में भीकाजी कामा की भूमिका निभा रहीं अभिनेत्री अंजलि हुड्डा ने बताया कि फिल्म में उनकी भूमिका ने सावरकर के निजी जीवन के बारे में उनकी समझ को और बढ़ाया। उन्होंने कहा कि यह फिल्म मेरे लिए आंख खोलने वाली थी। मुझे उम्मीद है कि भविष्य में हमारे भूले-बिसरे नायकों पर ऐसी और फिल्में बनाई जाएंगी।

अनकहे नायक की कहानी

यह फिल्म भारत की स्वतंत्रता के कई अनकहे नायकों में से एक वीर सावरकर की गुमनाम गाथा को सामने लाती है यह मातृभूमि के प्रति उनके प्रेम और स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उनके द्वारा झेले गए भयानक परिणामों को उजागर करती है।

प्रधानमंत्री की पंजाब यात्रा में कुछ लोगों ने रोका था रास्ता

सर्वोच्च न्यायालय ने गवाहों के बयान पंजाब सरकार को देने से रोका

एजेंसी, नई दिल्ली

सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को पंजाब सरकार के उस अनुरोध को खारिज कर दिया, जिसमें उसने 5 जनवरी, 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राज्य यात्रा के दौरान सुरक्षा उल्लंघन की जांच के लिए गठित आयोग को गवाही देने वालों के बयानों की जानकारी मांगी थी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि हमें पंजाब सरकार द्वारा किए गए अनुरोध पर विचार करने का कोई आधार नहीं दिखता। राज्य जांच समिति के समक्ष गवाहों द्वारा दिए गए बयानों की सहायता के बिना दोषी अधिकारियों के खिलाफ अपनी जांच कर सकता है। पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने बयानों की एक प्रति मांगते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया और तर्क दिया कि वह लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ जांच करना चाहती है। 12 जनवरी, 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने अपने पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति इंदु मल्होत्रा को सुरक्षा उल्लंघन की जांच के लिए एक जांच समिति का नेतृत्व करने के लिए नियुक्त किया, जिसके कारण मोदी का काफिला 20 मिनट तक फ्लाईओवर पर फंसा रहा।

जांच समिति ने एसएसपी को दोषी पाया: समिति ने अपनी रिपोर्ट में फिरोजपुर के तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) हरमनदीप सिंह हंस को दोषी ठहराया और कहा कि वह कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में विफल रहे या फिर प्रधानमंत्री के मार्ग पर तैनाती के लिए कोई कदम नहीं।

मणिपुर हिंसा पर पत्र वार: खड़गे को नड्डा का जवाब

हालात को सनसनीखेज बनाने में जुटी कांग्रेस

एजेंसी, नई दिल्ली

मणिपुर हिंसा मामले को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा राष्ट्रपति को लिखे गए पत्र को लेकर भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी कांग्रेस अध्यक्ष को पत्र लिखा है। नड्डा ने पत्र में लिखा कि मणिपुर की स्थिति को सनसनीखेज बनाने के लिए कांग्रेस द्वारा बार-बार प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसा लगता है कि आप भूल गए हैं कि न केवल आपकी सरकार ने भारत में विदेशी उग्रवादियों के अवैध प्रवास को वैध बनाया बल्कि तत्कालीन गृहमंत्री चिदंबरम ने उनके साथ संधियों पर हस्ताक्षर किए थे। इसके अलावा, गिरफ्तारी से बचने के लिए अपने देश से भागने वाले इन ज्ञात उग्रवादी नेताओं को उनके अस्थिर करने के प्रयासों को जारी रखने के लिए पूरे दिल से समर्थन और प्रोत्साहन दिया। कांग्रेस के विपरीत, हमारी सरकार किसी भी कीमत पर ऐसा नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं द्वारा भारत की प्रगति को पटरी से उतारने की कोशिश कर रही विदेशी ताकतों के गठजोड़ का समर्थन और प्रोत्साहन करना वाकई चिंताजनक है। उन्होंने दावा किया कि अभूतपूर्व कनेक्टिविटी के लिए हमारी सरकारें वास्तव में पूर्वोत्तर के लोगों को करीब ला रही हैं।

उपराज्यपाल वीके सक्सेना की दुर्लभ प्रशंसा

आतिशी अपने पूर्ववर्ती से हजार गुना बेहतर

एजेंसी, नई दिल्ली

मुख्यमंत्री आतिशी की प्रशंसा करते हुए उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने शुक्रवार को कहा कि वह अपने पूर्ववर्ती अरविंद केजरीवाल से ₹हजार गुना बेहतर हैं। इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय के सातवें दीक्षांत समारोह में बोलते हुए सक्सेना ने कहा कि मुझे आज खुशी है कि दिल्ली की मुख्यमंत्री एक महिला हैं। मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि शायद वह अपने पूर्ववर्ती से हजार गुना बेहतर हैं।₹यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब केजरीवाल के सत्ता में रहने के दौरान आप और भाजपा के बीच शासन और नौकरशाही पर नियंत्रण समेत कई मुद्दों पर टकराव चल रहा है। केजरीवाल ने सितंबर में इस्तीफा दे दिया था और कहा था कि वह अपने ऊपर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों के मद्देनजर जनता से ₹ईमानदारी का प्रमाणपत्र₹ मांगेंगे। आप प्रमुख दिल्ली शराब नीति मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पांच महीने से अधिक समय बाद 13 सितंबर को तिहाड़ जेल से बाहर आए। केजरीवाल ने तब विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री के रूप में आतिशी के नाम का प्रस्ताव रखा था और इसे सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया था।

क्या राहुल गांधी शीत सत्र में मोदी की सरकार गिरा देंगे

अमेरिकी अदालत के फैसले में लिखा है रिश्वत दी या रिश्वत की पेशकश की। यानि अमेरिकी अदालत ने हवा में तीर चला दिया।

मोदी के दोस्त अडानी के खिलाफ अमेरिका में एक केस दायर हुआ है। उनके खिलाफ वारंट जारी हुए हैं। यह घटनाक्रम भारत की संसद के शीत सत्र शुरू होने से पांच दिन पहले हुआ है।25 नवंबर से शीत सत्र शुरू हो रहा है।राहुल गांधी को हंगामा खड़ा करने का मुद्दा मिल गया है।या दूसरे शब्दों में कहें, तो राहुल गांधी खुद इस साजिश में शामिल हैं।ऐसा क्या है कि अडानी ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जग्गन मोहन रेड्डी को रिश्वत दी, और मुकद्दमा अमेरिका में दर्ज हुआ। वैसे अमेरिकी अदालत ने भी कथित रिश्वत की बात कही है।अदालत के फैसले में लिखा है रिश्वत दी या रिश्वत की पेशकश की। यानि अमेरिकी अदालत ने हवा में तीर चला दिया।राहुल गांधी ने यह मुकद्दमा भारत की किसी अदालत में दर्ज क्यों नहीं करवाया। आखिर अडानी और जग्गन मोहन रेड्डी दोनों ही उनके दुश्मन हैं। अमेरिका इतना उतावला क्यों हुआ। भारत में कथित रिश्वत पर वारंट जारी नहीं हो सकता। जिम्मेदार एजेंसियां जांच करती हैं, तलब करती हैं, पूछताछ करती हैं, सबूत सामने आए, तब जाकर गिरफ्तारी होती है। लेकिन अमेरिकी अदालत ने सिर्फ आरोपों पर सीधे वारंट जारी कर दिए। इस के पीछे के षड्यंत्र कोसमझना बहुत जरूरी है। यह भारत को आर्थिक रूप से तबाह करने की अंतर्राष्ट्रीय साजिश है। जिसमें राहुल गांधी अंतर्राष्ट्रीय साजिश का टूल बन गए हैं। यह एक झटके में कैसे हो जाता है कि अमेरिका से आई आधी अधूरी खबर के बाद राहुल गांधी सक्रिय हो जाते हैं, अडानी की गिरफ्तारी और जेपीसी की मांग करने लगते हैं। क्या राहुल गांधी, जार्ज सोरोस औरअमेरिका के राष्ट्रपति बिडेन मिल कर बड़ा खेल खेल रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को राष्ट्रपति बनेंगे, तब तक मोदी विरोधी जार्ज सोरोस और बाईडेन की सरकार चलेगी। आखिर इन दोनों की मोदी से दुश्मनी क्या है। इसे समझना बहुत जरूरी है।नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में दबदबा अमेरिका को पसंद नहीं आ रहा।मोदी के नेतृत्व में भारत के आर्थिक विकास को अमेरिका भविष्य की चुनौती के रूप में देखता है।डेमोक्रेट्स के मन में यह बात बहुत गहरे से बैठ गई है कि ट्रंप की जीत में मोदी का भी हाथ है। तभी मोदी ने ट्रंप को जीतने पर बिलकुल अलग तरह से बधाई दी। जो बाईडेन प्रशासन ने भारत के चुनावों में भी दखल देने की कोशिश की थी। अमेरिका से राहुल गांधी को हर तरह की मदद पहुंचाई गई थी।लाख कोशिश करके भी मोदी को हराने में विफलता राहुल गांधी को पच नहीं रही। वह मोदी को अपने रास्ते का सब से बड़ा काँटा मानते हैं।अडानी का दुनिया भर में बढ़ता आर्थिक साम्राज्य जार्ज सोरोस की आँखों में किरकिरी की तरह चुभ रहा है।इस तरह मोदी के खिलाफ यह अन्तरराष्ट्रीय तिकड़ी बन गई है। इसी लिए भारत और मोदी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय साजिश रची है।अब आखिर में यह समझना भी जरूरी है कि भारत में कथित रिश्वत का मुकद्दमा अमेरिका में दाखिल कैसे हो गया। ग्रीन अनर्जी को लेकर अडानी की ग्रीन एनर्जी कंपनी और अमेरिका में रजिस्टर्ड अजूर पावर ग्लोबल लिमिटेड नाम की भारतीय ग्रीन एनर्जी कंपनी साझेदार हैं।दोनों ने साझेदारी में भारत की सोलर एनर्जी कारपोरेशन आफ इंडिया के साथ ग्रीन एनर्जी बेचने का करार किया। लेकिन सोलर एनर्जी कारपोरेशन आफ इंडिया को खरीदार नहीं मिल रहे थे। इअलिए आरोप यह है कि अडानी और अजुर ने मिल कर राजस्थान, छतीसगढ़, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडू की राज्य सरकारों पर सोलर एनर्जी कारपोरेशन आफ इंडिया से ग्रीन एनर्जी खरीदने का दबाव बनाया , और उन राज्यों के मुख्यमंत्रियों और अधिकारियों को रिश्वत देने की पेशकश की।अब जिस समय की यह बात है, उस समय दो राज्यों राजस्थान और छतीसगढ़ में कांग्रेसी मुख्यमंत्री थे। उड़ीसा और आंध्र को छोड़ कर बाकी सभी राज्यों में भी इंडी एलायंस के ही मुख्यमंत्री थे।जिक्र आया कि अडानी खुद जग्गन मोहन रेड्डी से मिले थे, उसके बाद जग्गन मोहन रेड्डी ने ग्रीन एनर्जी खरीदने के लिए केबिनेट से प्रस्ताव पास करवाया। सवाल यह है कि आंध्र और जग्गन मोहन रेड्डी का जिक्र क्यों आया। राजस्थान और अशोक गहलोत का जिक्र क्यों नहीं आया। या छतीसगढ़ और भूपेश बघेल का जिक्र क्यों नहीं आया।भाजपा का मुख्यमंत्री तो किसी राज्य में नहीं था।तो फिर नरेंद्र मोदी और भाजपा कैसे कटघरे में खडी होती है। यहीं से स्पष्ट होता है कि यह भारत को कमजोर करने का खेल है, जिसमें राहुल गांधी अमेरिका का टूल बने हैं।यह केस अमेरिका में इसलिए दाखिल हो गया क्योंकि अडानी ने 2021 में बांड जारी किए थे, जिसमें अमेरिकनों ने भी भारी मात्रा में बांड खरीदे थे। इसलिए अमेरिका की प्रतिभूति और विनिमय आयोग से केस दायर करवाया गया।

वर्कशॉप वेटलैंड फॉर लाइफ वर्कशॉप में विशेषज्ञों ने रखी अपनी राय

वेटलैंड के लिए महत्वपूर्ण है जैविक खेती: डॉ. सुरेश बाबू

नई दिल्ली से पंकज जैन

पर्यावरण मंत्रालय और सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज, सीएमएस द्वारा आयोजित दो दिवसीय वर्कशॉप में वेटलैंड फॉर लाइफ में विशेषज्ञों ने अपनी राय रखी। वर्ल्ड वेटलैंड के वरिष्ठ निदेशक डॉ. सुरेश बाबू ने कहा कि हमारे देश में कई ऐसे स्थल है, जो वेटलैंड की श्रेणी में आते हैं। जरूरत तो इन्हें संरक्षित करने की है। इसके लिए जैविक खेती महत्वपूर्ण है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जब हम जैविक खेती को बढ़ावा देंगे तभी इनका प्राकृतिक रूप संरक्षण हो सकेगा। वहीं, पॉल्यूषन कंट्रोल बोर्ड के निदेषक सुजीत बाजपेयी ने कहा कि वेटलैंड के संरक्षण के लिए सरकार द्वारा मिषन सहभागिता चलाया जा रहा है। वहीं, वेटलैंड के डायरेक्टर डॉ. रितेश कुमार ने कहा कि आधुनिक तकनीक ने प्राकृतिक स्रोत को बहुत नुकसान पहुंचाया है। हमें

इन्हें बचाने के लिए प्रयास करना होगा। कार्यक्रम में सीएमएस की डायरेक्टर डॉ. वासंती राव, डॉ. एन भास्कर राव, साइंटिस्ट फॉरेस्ट, वेटलैंड डिवीजन और पर्यावरण मंत्रालय के डॉ. रमेश एम, जूनियर फॉरेस्ट एंड बायोडायवर्सिटी के सलाहकार उत्कर्ष लाल एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर देषभर से आए पत्रकारों ने वेटलैंड के संरक्षण के लिए अपने सुझाव भी दिए। बाजपेयी ने कहा कि प्रदूषण से वेटलैंड को 6 प्रतिषत का नुकसान हो रहा है और इस ओर अधिक काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वेटलैंड के संरक्षण के लिए स्थानीय लोगों का जुड़ाव बेहद जरूरी है। साथ ही मीडिया का एक बड़ा रोल भी है। लोग स्थानीय स्तर पर जानकारी रखते हैं।

वेटलैंड क्षेत्र में वृक्षारोपण उचित नहीं: डॉ. रितेश कुमार

डॉ. रितेश कुमार ने कहा कि वेटलैंड के खोने से सबसे अधिक नुकसान मानव जाति को है। वेटलैंड की स्थिति बिगड़ने पर जल स्तर, पक्षी, क्षेत्र का उपजाउपन भी कम होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वेटलैंड क्षेत्र में अनावष्यक वृक्षारोपण नहीं किया जाना चाहिए। वास्तविकता यह है कि वृक्षारोपण से वेटलैंड को नुकसान है। ये वृक्ष जल को तेजी से अपनी ओर खींचते है। उन्होंने कहा कि वेटलैंड के साथ लोगों को जोड़ना जरूरी है, जिससे इनका संरक्षण हो सकेगा। स्थानीय लोग इसके बारे में बरसों से जानते हैं, ऐसी स्थिति में उनका मार्गदर्शन महत्वपूर्ण है।

इस बार पूरी शक्ति के साथ राज करते नजर आयेंगे राष्ट्रपति ट्रम्प

फ्रेंड्स ऑफ़ मध्यप्रदेश का तेजी से 17 देशों में विस्तार हुआ : प्रमित माकोड़े

इंदौर

ग्लोबल सिटिजन फोरम अमेरिका के अध्यक्ष प्रमित माकोड़े ने कहा कि 20 जनवरी के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पूरी शक्ति के साथ राज करते हुए नज़र आयेंगे । अमेरिकी इतिहास में 40 साल बाद ऐसा अवसर आया है जब निचले सदन हाउस ऑफ रेप्रेसेंटेटिव, उच्च सदन सीनेट, विभिन्न राज्यों में गवर्नर और अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में रिपब्लिकन पार्टी का बोलबाला है। श्री माकोड़े स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के संवाद कार्यक्रम में मीडियाकर्मियों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि

प्रमित का स्वागत करते हुए इंदौर प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल।

बेतहाशा मंहगाई, लाखों की संख्या में अवैध रूप से अमेरिका प्रवेश, अबार्शन, ट्रांसजेंडर और ड्रग्स एंड क्राइम हाल ही के चुनाव में प्रमुख मुद्दे बने। अमेरिका में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी दोनों कमोबेश बराबर स्थिति में है लेकिन इन मुद्दों की वजह से अमेरिकी मतदाताओं ने ट्रंप को दोबारा राष्ट्रपति चुना। अमेरिका के इतिहास में 250 साल बाद ऐसा अवसर आया है जब कोई व्यक्ति लगातार तीन बार राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा और दो मर्तबा जीता।

संयुक्त राष्ट्र संघ की एक अत्यधिक चौंकाने वाली रिपोर्ट

नूना न्यूज एजेंसी।
सना खान की सनसनीखेज रिपोर्ट

1. गाजा से आई महिला बंदियों के 112 मामले इस्राइली जेलों में दर्ज किए गए हैं, जिनमें तीन मामलों में अविवाहित महिलाएँ शामिल हैं, और इनमें से एक सामूहिक बलात्कार का शिकार हुई। एक पीड़िता को अंतरराष्ट्रीय निगरानी में एक गुप्त स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया है और वह वर्तमान में गर्भवती है।

2. 87 गजान बंदियों को गोली मारकर हत्या कर दी गई इस्राइली जेलों में सिर में पिस्तौल से, और उनकी लाशों को गाजा की सड़कों पर विभिन्न स्थानों पर फेंक दिया गया।

3. जेलों में यातना को क्रूर और मानसिक रूप से विकृत बताया गया है, जो अबू घरीब और गुआंतानामो बे जैसी घटनाओं से कहीं अधिक जघन्य है, साथ ही साथ गुप्त जेलों में भी ऐसी घटनाएँ हुई हैं।

4. इजरायल ने जानबूझकर परिवारों और बच्चों को निशाना बनाया जो फिलिस्तीनी संगठनों से संबंधित थे, एक क्रमबद्ध हमले की योजना बनाई गई थी। इस्राइली सेना ने संघर्ष के दूसरे दिन से कार्यकताओं के परिवारों को समाप्त करने की योजना को मंजूरी दी थी, जिसमें 150,000 नागरिकों का एक लक्षित सूची बनाई गई थी।

5. इजरायल ने अत्यधिक मात्रा में भाड़े के सैनिकों का उपयोग किया, 22 सैन्य सेवा कंपनियों को अनुबंधित किया गया था। एक अमेरिकी जहाज जो एक तैरता हुआ श्मशान है, जिसमें 1,327 भाड़े के सैनिकों के शव हैं, जिनके परिवारों को उनकी मृत्यु के बारे में अभी तक सूचित नहीं किया गया है।

6. इजरायली सेना द्वारा चुराए गए सोने और पैसे की अनुमानित कीमत लगभग 370 मिलियन डॉलर है।

7. गाजा पर गिराए गए 70% बमों में परिष्कृत यूरेनियम का उपयोग किया गया था, जिससे मिट्टी में यूरेनियम तत्वों का अत्यधिक संदूषण हो गया है, जिसमें प्राकृतिक यूरेनियम विकिरण का 60% हिस्सा शामिल है। इसमें तीन समस्थानिक (इसोटोप) होते हैं: यूरेनियम-234, यूरेनियम-235, और यूरेनियम-238। गाजा में इस्तेमाल किया गया परिष्कृत यूरेनियम प्राकृतिक यूरेनियम के समान विकिरण उत्पन्न करता है, लेकिन कम मात्रा में, जिसमें प्राकृतिक यूरेनियम द्वारा उत्सर्जित विकिरण का लगभग 40% होता है। यूरेनियम-238, जो परिष्कृत यूरेनियम का 99.8% है, अल्फा कणों को उत्सर्जित करता है और इसकी आधी-जीवन लगभग 450 साल है। विस्फोटों के दौरान यूरेनियम धूल का इनहेलन करने से उन लोगों के फेफड़ों में कैंसर पैदा हो गया है जिन्होंने इसे श्वास में लिया।

8. गाजा में 90% महिलाएँ और बच्चे गहरे मानसिक आघात से पीड़ित हैं, मेडिकल केंद्रों द्वारा रिकॉर्ड किए गए 5,000 से अधिक मामलों में मुख्यतः वे महिलाएँ शामिल हैं जिन्होंने अपने बच्चों को खो दिया है और जिनमें पूरी तरह से पागलपन देखा गया है।

9. 213 इजरायली पायलटों ने हवाई हमलों को करने से इनकार किया, जिनमें दर्जनों लोग थे। एक पायलट ने एक इस्राइली संगठन के सामने गवाही दी कि उसने तेल अल-हावा में एक आवासीय इमारत को बमबारी करने से मना कर दिया, जिसमें 48 बच्चे थे, जिन्हें थर्मल निगरानी विमानों से पहचाना गया था। हालांकि, 17 मिनट बाद एक अन्य पायलट ने बमबारी की, जिससे इमारत में मौजूद सभी लोग मारे गए और 128 नागरिकों की मौत हो गई।

10. एक अस्थायी बंदरगाह स्थापित करने का उद्देश्य फिलिस्तीनियों के सामूहिक रूप से यूरोप के लिए पलायन को सुविधाजनक बनाना है। तीन यूरोपीय देशों ने गाजा पट्टी के निवासियों को खाली करने की योजना पर सहमति दी है।

11. जायनवादी युद्ध परिषद ने भूख को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की स्वीकृति दी नवम्बर के अंत में।

12. इजरायली खुफिया एजेंसियों ने गजा निवासियों से 3 मिलियन से अधिक फोन कॉल किए, घरों को बमबारी करने और परिवारों को मारने की धमकी दी, यदि वे क्षेत्रीय जानकारी नहीं देते हैं।

13. दो अरब देशों ने दक्षिण अफ्रीका को सुप्रीम कोर्ट से मुकदमा वापस लेने के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किए।

14. गजा पर पश्चिमी विमानों द्वारा सहायता गिराई गई, यह कानूनी सलाहकारों के सुझाव पर किया गया था ताकि जनसंहार में भागीदार होने के आरोप से बचा जा सके, खासकर जब उन हथियारों को नागरिकों के खिलाफ उपयोग करने की कोई सख्त शर्तें नहीं थीं।

जम्मू-कश्मीर के चुनावी नतीजों के निहितार्थ

जम्मू और कश्मीर राज्य एवं राम मंदिर में क्या कोई समानता हो सकती है? मोटे तौर पर देखें तो इनमें कोई समानता नहीं हो सकती। लेकिन जब भारतीय जनता पार्टी के संदर्भ में दोनों को ही देखें तो समानता नजर आती है। राममंदिर और जम्मू-कश्मीर, भारतीय जनता पार्टी के कोर मुद्दे रहे हैं। लेकिन चुनावी मोर्चे पर दोनों ही मुद्दे कम से कम स्थानीय स्तर पर भाजपा को निराश ही करते रहे हैं। संविधान के अनुच्छेद 370 और कैबिनेट के प्रस्ताव 35 ए की वजह से जम्मू-कश्मीर की स्थिति देश के अन्य राज्यों से अलग रही है। यह अलग स्थिति ही वहां के अलगाववाद की नासूर का कारण मानी जाती रही है। भारतीय जनता पार्टी ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी करके एक तरह से इस नासूर को ही खत्म कर दिया। ऐसे में इसका चुनावी श्रेय भारतीय जनता पार्टी को मिलने की उम्मीद होना स्वाभाविक है। लेकिन विधानसभा चुनाव नतीजों ने पार्टी को निराश ही किया है। यहां पर राममंदिर आंदोलन और उस बीच हुए उत्तर प्रदेश के चुनावों की याद आना स्वाभाविक है। छह दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद के विध्वंस के बाद अव्वल तो होना चाहिए था कि आगामी चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को अपने दम पर भारी जीत मिलती। लेकिन 1993 के विधानसभा चुनावों में भाजपा सबसे बड़ा दल बनकर भले ही उभरी, लेकिन वह बहुमत से दूर रही। जनवरी 2024 में अयोध्या में भव्य राममंदिर बनकर तैयार हो गया। देश और दुनिया में राममंदिर को लेकर अलग तरह का उत्साह देखा गया। पांच सौ वर्षों के संघर्ष का अंत हुआ। इस संघर्ष की अगुआ भारतीय जनता पार्टी ही रही। इसलिए इस संघर्ष का उसे चुनावों में फायदा मिलना चाहिए था। लेकिन उलटबांसी देखिए कि कुछ ही महीनों बाद हुए लोकसभा चुनावों में अयोध्या वाली फैजाबाद सीट भारतीय जनता पार्टी हार गई। इस कड़ी में कोर मुद्दे से जुड़े इलाके जम्मू-कश्मीर में बीजेपी को चुनावी बढ़त ना मिलना, पार्टी के लिए तीसरा झटका कहा जा सकता है।

बेलडांगा कांडः पश्चिम बंगाल के जनसांख्यिकीय परिवर्तन की एक गंभीर चेतावनी

सुनो भाई साधो! वर्ष 1 अंक 15

कल्पना कीजिए, आप अपने घर में बैठकर रोजमर्रा की जिंदगी का आनंद ले रहे हैं, और अचानक खबर आती है कि पास के इलाके में सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई है। 16 नवंबर 2024 को बेलडांगा के लोगों ने यही अनुभव किया। मुर्शिदाबाद जिले के इस कस्बे में भगवान कार्तिक के पूजा पर हमले ने ऐसा हंगामा खड़ा कर दिया, जो पलभर में पूरे इलाके को हिंसा की आग में झोंक गया। हिंसा इतनी उग्र थी कि सरकार को इंटरनेट सेवा बंद करनी पड़ी! अब, जरा सोचिए– जब इस इलाके का विधायक भी मुस्लिम हो, सांसद भी मुस्लिम हो, और प्रशासन पर भी पक्षपात का आरोप हो, तो क्या अल्पसंख्यक हिन्दुओं को सुरक्षा और न्याय मिल पाना संभव है? बेलडांगा की इस घटना में हिंदू परिवारों के घर जलाए गए, उनकी संपत्ति लूटी गई, और उन्हें मजबूरन पलायन करना पड़ा। लेकिन इसके बाद जो हुआ, वह और भी चौंकाने वाला था। शिकायतों को नजरअंदाज किया गया, और प्रशासन ने एकतरफा कार्रवाई कर मामला दबाने की कोशिश की।

शाहीन सबा

स्थानीय पुलिस प्रशासन की अक्षमता की आलोचना करते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने द इंडियन एक्सप्रेस (22 नवम्बर 2024) से बातचीत में कहा कि बेलडांगा की घटना स्थानीय पुलिसकर्मियों की पूरी तरह से विफलता है। घटना सोशल मीडिया पर वायरल हो गई, लेकिन स्थानीय पुलिस न तो स्थिति को तुरंत नियंत्रित कर सकी और न ही दोषियों के खिलाफ कोई कार्रवाई कर सकी। आगे अधीर रंजन ने कहा कि लोकसभा चुनावों से पहले राम नवमी उत्सव के दौरान मुर्शिदाबाद के शक्तिपुर में भी इसी तरह की सांप्रदायिक घटना हुई थी। मेरी राय में, ये दोनों घटनाएं जिले में ध्रुवीकरण पैदा करने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा हैं। मुख्यमंत्री, जो हर मुद्दे पर टिप्पणी करती हैं, बेलडांगा और शक्तिपुर की घटनाओं पर उनकी चुप्पी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। एक मुख्यमंत्री के रूप में उन्हें कम से कम लोगों के लिए शांति का संदेश जारी करना चाहिए था, लेकिन हमने केवल उनकी चुप्पी देखी।

आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? इसका जवाब बेलडांगा की जनसांख्यिकी में छुपा है। 2011 की जनगणना के अनुसार, यहां मुस्लिम बहुसंख्यक हैं, और यह संख्या बढ़ रही है। इसका असर चुनावी नतीजों पर भी दिखता है। ऐसे इलाकों में धार्मिक जनसांख्यिकी न सिर्फ राजनीतिक समीकरण बदल रही है, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया की निष्पक्षता पर भी सवाल खड़े कर रही है। क्या आपको लगता है कि बेलडांगा की हिंसा केवल एक सांप्रदायिक घटना है? या यह उस गहरी समस्या का हिस्सा है, जो हमारे लोकतंत्र को खोखला कर रही है? पश्चिम बंगाल के ऐसे इलाके, जहां धार्मिक बहुमत और राजनीतिक सत्ता एकतरफा हैं, वहां अल्पसंख्यकों (जो अब हिंदू हैं) के लिए न्याय की गुंजाइश कितनी बचती है? यह सवाल सिर्फ बेलडांगा का नहीं है, यह सवाल आपके और मेरे जैसे हर नागरिक के लिए है। अगर हम इन घटनाओं पर चुप रहेंगे, तो क्या हम उस लोकतंत्र के प्रति अपने कर्तव्य का पालन कर रहे हैं, जो हमें समानता और न्याय का वादा करता है? या फिर हम एक ऐसी व्यवस्था को बढ़ावा दे रहे हैं, जहां उन्मादी भीड़ का संख्याबल ही न्याय तय करता है?

जनसंख्या में बदलाव केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि हमारी सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था पर इसका गहरा असर होता है। पश्चिम बंगाल इसका ज्वलंत उदाहरण है। 1951 में राज्य में मुस्लिम जनसंख्या 19.85 प्रतिशत थी। ठीक सात दशकों बाद, 2011 की जनगणना ने इसे 27 प्रतिशत पर दर्ज किया। अब, 2024 में, विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह संख्या 30 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। यह बदलाव केवल प्रतिशतों का बढ़ना नहीं है। पश्चिम बंगाल की जनसांख्यिकी पर एक नजर डालें, तो 2011 की जनगणना के अनुसार, राज्य के कई जिलों में मुस्लिम आबादी का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। मुर्शिदाबाद (66.28 प्रतिशत), मालदा (51.27 प्रतिशत), और उत्तर दिनाजपुर (49.92 प्रतिशत) जैसे जिलों में मुस्लिम समुदाय बहुसंख्यक है, जबकि दक्षिण 24 परगना (35.57 प्रतिशत), बीरभूम (37.06 प्रतिशत), और नादिया (25.41 प्रतिशत) जैसे जिलों में भी इनकी मजबूत उपस्थिति है। कोलकाता जैसे महानगरों में भी मुस्लिम जनसंख्या 20.60 प्रतिशत है। सीमावर्ती जिलों में, विशेषकर मुर्शिदाबाद और मालदा में, बांग्लादेश से अवैध प्रवासन का बड़ा असर देखा गया है। यह बताता है कि किस तरह मुर्शिदाबाद, मालदा, और उत्तर दिनाजपुर जैसे जिलों में मुस्लिम आबादी बहुसंख्यक हो चुकी है। क्या आपको लगता है कि यह केवल प्राकृतिक प्रजनन दर का नतीजा है? या इसके पीछे बांग्लादेश से हो रहे अवैध प्रवासन का बड़ा हाथ है? दिसंबर 2023 में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ को बताया कि केंद्र सरकार ने भारत-बांग्लादेश सीमा की सुरक्षा के लिए बहु-आयामी कदम उठाए हैं। पश्चिम बंगाल की 2,217 किमी लंबी सीमा में से केवल 81.5 प्रतिशत पर बाड़ लगाई गई है। सॉलिसिटर जनरल ने कहा, यदि पश्चिम बंगाल सरकार भूमि अधिग्रहण में सहयोग करे और सीमा बाड़बंदी के लिए आवश्यक भूमि सौंपे, तो केंद्र सरकार इसे शीघ्र पूरा कर देगी। परंतु शेष हिस्सों में जहां अभी भी पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं हैं, इन असुरक्षित क्षेत्रों में सीमा की धुंधलाहट स्थानीय जनसंख्या संतुलन को बिगाड़ने के साथ-साथ राज्य की सामाजिक-सांस्कृतिक-लोकतांत्रिक प्रक्रिया को भी प्रभावित कर रही है। जहां एक ओर मुस्लिम बहुल जिलों में वोट बैंक की राजनीति फल-फूल रही है, वहीं दूसरी ओर हिंदू समुदाय धीरे-धीरे सिमटता और असुरक्षित महसूस करता जा रहा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि किसी इलाके में मुस्लिम जनसंख्या 20 प्रतिशत से अधिक हो जाती है, तो वे वहां सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक दृष्टिकोण से प्रभावशाली भूमिका में आ जाते हैं। पश्चिम बंगाल में कुल 23 जिले है जिसमे लगभग 13 जिलों में मुस्लिम आबादी 20 प्रतिशत से अधिक है। इनमे से तीन जिलों में तो मुस्लिम आबादी 50 प्रतिशत से अधिक है। इन सब जिलों में स्थानीय शासन, राजनीति और सांप्रदायिक मुद्दों पर उनका नियंत्रण स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। यहाँ पर इस देश के तथाकथित बुद्धिजीवी, सेक्युलर और वामपंथी कभी ये नहीं कहते कि बहुसंख्यकों से अल्पसंख्यकों के धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक अधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए। कारण, इनमे से कुछ जिलों में मुस्लिम बहुसंख्यक हैं और हिन्दू अल्पसंख्यक है। आज आवश्यकता है कि 'अल्पसंख्यक किसे कहें', सरकार इसको स्पष्ट रूप से परिभाषित करे।

बात केवल पश्चिम बंगाल तक सीमित नहीं है। यह पूरे देश के लिए चेतावनी है कि अगर समय रहते हमने अपनी जनसँख्या, सीमांत प्रदेशों की सुरक्षा और प्रवासन नीति पर ध्यान नहीं दिया, तो हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था जनसांख्यिकी की चालाकी के सामने घुटने टेक देगी। पश्चिम बंगाल का जनसांख्यिकीय बदलाव वहां के लोकतांत्रिक ढांचे को प्रभावित कर रहा है। राजनीति में मुस्लिम वोट बैंक का महत्व तेजी से बढ़ा है। ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर अल्पसंख्यक तुष्टीकरण के आरोप लगते रहे हैं। उदाहरण के लिए, 2012 में इमामों और मुअज्ज़िनों को मासिक भत्ता देने की घोषणा ने हिंदू समुदाय में असंतोष पैदा किया था। विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष ने सरकार द्वारा अपने कर्मचारियों को दिए जाने वाले भत्तों और बोनस की राशि, समय और तत्परता में भी स्पष्ट भेदभाव की बात कही है। 2021 के विधानसभा चुनावों में यह साफ दिखा कि मुस्लिम बहुल क्षेत्रों ने बड़े पैमाने पर टीएमसी को वोट दिया, जबकि बीजेपी ने हिंदू बहुल क्षेत्रों में अपना आधार मजबूत किया। यह चुनावी ध्रुवीकरण बताता है कि जनसांख्यिकी में बदलाव ने राज्य की राजनीति को कैसे प्रभावित किया है। जनसांख्यिकीय बदलाव के कारण सांप्रदायिक तनाव भी बढ़ा है। 2017 के बशीरहाट दंगे इसका बड़ा उदाहरण हैं, जब एक सोशल मीडिया पोस्ट पर हिंसा भड़क गई और हिंदू दुकानों और घरों पर हमले हुए। 2021 में कूचबिहार के सिटलकूची में चुनाव के दौरान हुई हिंसा ने दिखाया कि किस तरह जनसांख्यिकी और राजनीति का मिश्रण लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को प्रभावित कर सकता है। इस बार कोलकाता और हावड़ा महानगर में दुर्गा पूजा और काली पूजा भी आक्रमणों से अछूते नहीं रहे।

वर्तमान स्थिति में यह कहना गलत नहीं होगा कि कई समस्याओं के बीच एक और गंभीर समस्या यह है कि हिंदू समाज अपनी हर परेशानी के लिए पुलिस, प्रशासन और सरकार पर ही निर्भर हो गया है। धीरे-धीरे, अल्पसंख्यक कहे जाने वाले मुस्लिम समाज की संख्या बढ़कर बहुसंख्यक बनती जा रही है। गांवों में यदि समस्या होती है, तो लोग सुरक्षा की तलाश में शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं या दूसरे राज्यों में जाने के लिए मजबूर हो रहे हैं।अक्सर लोग यह सोचते हैं कि अगर मैं किसी दूसरी जगह चला जाऊं, तो मेरा परिवार सुरक्षित रहेगा। लेकिन क्या यह वास्तव में कोई समाधान है? जरा सोचिए, जो लोग पूर्व बंगाल से यहां आए, उन्होंने भी यही सोचा था कि यहां उन्हें सुरक्षा और शांति मिलेगी। लेकिन समय के साथ हमने क्या देखा? वहां से आने के बाद पूर्व बंगाल में जो लोग बचे रहे, उनकी संख्या घटती चली गई और उनके ऊपर अत्याचार बढ़ता गया। पश्चिम बंगाल में भी, जिन क्षेत्रों में हिंदू समाज की संख्या कम है, वहां सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और प्रशासनिक ताकत स्थानीय बहुसंख्यकों के हाथ में चली गई है, या यह कहना सही होगा कि उन्हें मजबूरन सौंपनी पड़ी। अपना अनुभव तो यही कहता है कि लोकतंत्र में संसद भवन हो या सड़क का संघर्ष, जिसकी संख्या अधिक होती है, उसी की ताकत ज्यादा होती है।

ज्योतिर्विद
* ब्रजेन्द्र श्रीवास्तव

साप्ताहिक ज्योतिष पत्रिका

रविवार 24 नवम्बर से शनिवार 30 नवम्बर 2024 तक

विक्रम सम्वत 2081, शक सम्वत1946 कलियुग सम्वत 5125, मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष रविवार नवमी तिथि से मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष शनिवार चतुर्दशी तिथि तक। मंगलवार 26 नवम्बर दशमी विद्धा पहली एकादशी स्मार्त वैष्णवों की। बुधवार 27 नवम्बर द्वादशी युक्त दूसरी एकादशी निम्बार्क और अन्य वैष्णवों की।

व्रत उत्सव गुरुवार 28 नवम्बरः प्रदोषव्रत। शुक्रवार 29 नवम्बरः कृष्ण चतुर्दशी मासिक शिवरात्रि व्रत। शनिवार 30 नवम्बरः सुबह चतुर्दशी 10.28 बजे तक फिर अमावस्या अपरान्ह कामनी पितृ कार्य हेतु उपयुक्त। अगले सप्ताहः रविवार 1 दिसम्बर सूर्योदय व्यापनी अमावस्या, दान स्नान की अमावस्या, पुण्य काल दिन 11.48 बजे तक। गुरुवार 5 दिसम्बरः गणेश चतुर्थी व्रत, शुक्ले मध्यान्ह व्यापनी सूत्र अनुसार।

आकाश दर्शन और मौसम पश्चिम में शाम को शुक्र रात सवा आठ बजे तक दिख रहा है। पूर्व में मंगल ग्रह रात पौने दस बजे उदित होकर सुबह दक्षिण पश्चिम में दिख रहा है। पूरब में गुरु ग्रह शाम सवा छह बजे उदित होकर रात 12 बजे दक्षिण में तथा सुबह पश्चिम में दिख रहा है। दक्षिण पूर्व में शनि ग्रह शाम से दिख रहा है। जो रात साढ़े बारह बजे पश्चिम में अस्त हो रहा है। मौसमः दिन रात के तापमान में गिरावट जारी रहेगी। 30 नवम्बर-1 दिसम्बर के लगभग आकस्मिक बादल वर्षा का योग है।

व्यापार भविष्य सप्ताहरंभ में चन्द्र मेगा शेयर मार्केट में अस्थिरता कारक रह सकता है। जबकि सप्ताहांत बुध का अस्त योग आरंभ, शेयरों में अनिश्चय बनाए रख सकता है। आई.टी., रिफायनरी, संचार-सम्वाद मैटल, बैंकिंग इससे अधिक प्रभावित हो सकते हैं।

मेष– आपको आनंद दायक लघु यात्रा प्रवास करने का अवसर इस सप्ताह मिल सकता है विशेष कर सप्ताह के मध्य में। सप्ताह के शुरू में किसी के व्यवहार से मन अशांत रह सकता है खासकर मातहत व्यक्ति के कारण ऐसा संभव है। ग्रह संकेत के अनुसार स्वास्थ्य की दृष्टि से आपको मौसम के कारण होने वाली एलर्जी के प्रति सावधान रहने की आवश्यकता है ग्रहसंकेत ऐसा ही है। व्यापार रोजगार में लाभ और सफलता के लिहाज से रविवार गुरु शुक्रवार और शनिवार अनुकूल दिन रहेंगे सप्ताह के आखिर में फंड में पेंशन से जुड़ा काम भी बन सकता है।

वृष– सप्ताह के शुरू में आप जल्दबाजी में गलतनिर्णय ना करें इसका ध्यान रखें चंद्र केतु योग कुछ इसी और संकेत दे रहा है। सप्ताह मध्य आर्थिक मामलों में अच्छी प्रगति होगी व्यापार में लाभ बढ़ेगा, कार्य क्षेत्र में अच्छा सम्मान मिलेगा। सप्ताह के आखिर में गुरु चंद्र की प्रति युति आपका कोई बड़ा मनोरथ पूरा करने में सहायक हो सकती है। निजी जीवन में सफलता प्रसन्नता और व्यापार में लाभ के लिहाज से बुधवार शुक्र शनिवार उत्तम दिन रहेंगे।

मिथुन– सप्ताह के शुरू में घर परिवार में जरा जरा सी बात पर अकारण क्लेश हो सकता है इसलिए टीका टिप्पणी करने से बचें। संतान पक्ष की ओर से प्रसन्नता के प्रसंग हो सकते हैं। व्यापार रोजगार में प्रतीक्षित लाभ मिल सकता है और नए कारोबारी लाभ भी हो सकते हैं। आपकी मान प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले प्रसंग भी होंगे। सप्ताह के आखिर में आप विरोधी को अपने पक्ष में करने में भी कामयाब हो सकते हैं। रवि बुध शुक्रवार उत्तम हैं।

कर्क– सप्ताह के आरंभ में आपको अपने पड़ोसियों से व्यवहार में अधिक सावधानी बरतना चाहिए अन्यथा छोटी-छोटी बातों पर क्लेश हो सकता है। इसी क्रम में अजनबी व्यक्तियों से व्यवहार करने में भी अधिक ध्यान रखें। और गलत सलाह पर अमल करने से बचें। घर परिवार में आनंद दायक वातावरण बनने का ग्रह योग है। मित्रों के यहां अथवा रिश्तेदारी में भी शुभ कार्य के लिए आवागमन हो सकता है। आपको इस सप्ताह विशेष कर आखिर में अच्छी सफलता मिलेगी, आपके अनुमान सफल होंगे। कार्य क्षेत्र में लाभ और सफलता के लिहाज से लगभग पूरा सप्ताह ही अनुकूल रहेगा।

सिंह– सप्ताह के आरंभ में आहार विहार की लापरवाही से अथवा एलर्जी के उभरने से क्लेश हो सकता है। सोमवार के आसपास बातचीत में गलतफहमीं का संकेत है। मित्रों का आवागमन होने का और अच्छे समाचार मिलने का योग सप्ताह मध्य है विशेष कर गुरुवार के आसपास। जबकि सप्ताह के आखिर में आपका मान सम्मान बढ़ाने वाले प्रसंग होने का योग प्रबल है। संतान पक्ष की ओर से भी हर्ष के प्रसंग हो सकते हैं। रविवार बुधवार शुक्र शनिवार और उत्तम दिन रह सकते हैं।

कन्या– आपकी राशिपर चंद्र केतु योग सप्ताह के शुरू में हो रहा है यह आपको गलतफहमी के कारण क्लेश दे सकता है। इसलिए दूसरों से व्यवहार में आप अकारण टीका टिप्पणी करने से बचें। आपको इस सप्ताह आपसे किया गया वायदा पूरा होने का ग्रह योगभी प्रबल है। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से आपको अपने काम में अच्छी मदद मिलेगी। संस्कार और वातावरण के अनुसार सत्संग लाभ होने का और प्रभावी व्यक्ति से भेंट होने का योग भी प्रबल है मंगलवार गुरुवार शुक्र शनिवार सप्ताह के व्यापारिक लाभदायक दिन रह सकते हैं।

तुला– शुक्र चंद्र का परस्पर शुभ योग इस सप्ताह विशेष कर सप्ताह मध्य आपके संपर्क क्षेत्र बढ़ाएगा; आपको आनंद दायक भेंट वार्ता करने का अवसर भी मिलेगा। व्यापार रोजगार में आपको कारोबार बढ़ाने के नए मौके भी मिल सकते हैं। सप्ताह के शुरू में चित्त कुछ अशांत रह सकता है, और अकारण खर्च वृद्धि भी हो सकती है। सप्ताह के आखिर में वायदा पूरे होने का, उपहार का आदान प्रदान होने का तथा मंगल कार्य में शामिल होने का ग्रह योग है। रविवार गुरु शुक्र शनिवार सप्ताह के अनुकूल दिन रहेंगे।

वृश्चिक– आपकी राशि पर सूर्य गुरु के परस्पर योग से कार्य क्षेत्र में नई संभावनाएं सामने आ सकती हैं जिनसे आपको कारोबार बढ़ाने में मदद मिलेगी; आप सफलता भी अच्छे स्तर की प्राप्त कर सकेंगे। सोमवार के लगभग नए परिचित की सलाह से बचें। इस सप्ताह पारिवारिक खर्च बढ़ सकता है, सुख साधनों की खरीदी हो सकती है। सप्ताहांत अधिकारी वर्ग से अच्छा सहयोग मिलेगा, व्यापार रोजगार में लाभ और सम्मान बढ़ेगा। मंगल बुधवार गुरुवार शुक्र शनिवार सप्ताह के उत्तम दिन रहेंगे।

धनु– आपके कार्यों में सप्ताह के शुरू में कुछ अनिश्चय आ सकता है। आपको अपने इरादों में बदलाव करना पड़ सकता है। फिर भी आपको अपने कार्यों में अच्छी सफलता मिलेगी। आपकी दूरदर्शी सूझबूझ की सराहना होगी। मित्र और विशेषज्ञ की सलाह से आपके कठिन काम आसान होंगे, इस दृष्टि से गुरु शुक्रवार महत्वपूर्ण रह सकते हैं। सत्ता के आखिर में शुभ कार्यों में व्यय होने का ग्रह योग भी है। रविवार शुक्रवार व्यापार रोजगार में उन्नति और लाभदायक रह सकते हैं।

मकर– आप इस सप्ताह कुछ खर्चीली योजनाओं पर कार्य करना चाहेंगे इससे आपकी सुविधा बढ़ेगी और कार्य कुशलता पर भी अच्छा असर पड़ेगा। आपका संपर्क क्षेत्र बढ़ेगा तथा उच्च पद और आभा मंडल वाले व्यक्तियों से आपकी निकटता भी बढ़ेगी। आपको अपने कार्य में अच्छा सहयोग समर्थन मिलेगा। सत्ता के शुरू में मन अशांत रह सकता है और अनिद्रा की स्थिति भी बन सकती है। सप्ताह के आरंभ में रुके काम बनेगा या रुके लाभ प्राप्त होंगे। रविवार मंगल बुधवार गुरुवार उत्तम और लाभकारी दिन रह सकते हैं।

कुंभ– आपको सप्ताह के शुरू में मिले जुले अनुभव हो सकते हैं, कुछ काम आपके शीघ्रता से और सफलतापूर्वक बनेंगे जबकि कुछ काम में दूसरों के गलत व्यवहार के कारण अड़चन आ सकती है जो शनिवार तक तक दूर हो सकती है। रविवार गुरु शुक्र शनिवार अपेक्षाकृत अनुकूल प्रसन्नता और लाभदायक दिन रह सकते हैं। किसी नए काम से जुड़ने का अवसर भी मिल सकता है।

मीन– साझेदारी के कार्यों में और निजी जीवन में सप्ताह के शुरू में अकारण कहा सुनी हो सकते है। इसलिए व्यवहार में उदारता और संयम बरतें। काफी समय से रुके काम भी इस सप्ताह बन सकते हैं यद्यपि इनमें आपको कुछ अधिक कोशिश करना पड़ सकती है। ध्यान साधना में अच्छी अनुभूति भी इसी दौरान हो सकती है। आपकी मान प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले प्रसंग होने का और शुभ कार्य में सम्मिलित होने का ग्रह योग है। गुरुवार शुक्रवार और शनिवार उत्तम और लाभकारी रह सकते हैं।

जयसवाल-राहुल चमके, पर्थ टेस्ट में भारत को बढ़त

यशस्वी जयसवाल (90 नाबाद) और केएल राहुल (62 नाबाद) के बीच 172 रनों की नाबाद साझेदारी, कुल बढ़त 218 रन

● पर्थ,

सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल (90 नाबाद) और केएल राहुल (62 नाबाद) के बीच 172 रनों की नाबाद भागीदारी की मदद से भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन शनिवार को अपनी दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 172 रनों बना लिये और इसके साथ भारत के पास कुल बढ़त 218 रन हो चुकी है।

जयसवाल ने अपने चिर परिचित अंदाज में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का साहस के साथ सामना किया। अब तक वह अपनी पारी में सात चौके और दो छक्के लगा चुके है और एक यादगार शतक के करीब पहुंच गए हैं। राहुल ने संयम का परिचय देते हुये बेहतरीन प्रदर्शन किया और ढीली गेंदों पर सटीकता से प्रहार करते हुए साझेदारी को आगे बढ़ाया। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन अपनी पहली पारी फिर से शुरू की मगर भारत के पहली पारी के 150 रन के जवाब में उसके बल्लेबाज मात्र 104 रन पर ढेर हो गये जिसके चलते मेहमान टीम को 46 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त मिल गयी। तेज गेंदबाजी में जसप्रित बुमरा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 30 रन देकर 5 विकेट लिए, जबकि नवोदित हर्षित राणा ने 48 रन देकर तीन विकेट लेकर प्रभावित किया।

मेजबान टीम के आखिरी पांच विकेट सिर्फ 23 रन ही जोड़ सके।भारत के शुरूआती स्टैंड ने कई मील के पत्थर चिह्नित किये। यह 2010 के बाद से ऑस्ट्रेलिया में किसी मेहमान टीम द्वारा पहली 150 से अधिक की शुरुआती साझेदारी थी और इस सदी में केवल चौथी बार जब कोई भारतीय जोड़ी दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया देशों में 50 ओवर तक टिकी रही। जयसवाल और राहुल के लिये पैट कमिंस और जोश हेजलवुड ने हर कोण और गति से गेंदबाजी की हालांकि, दोनों ने धैर्य के साथ चुनौतियों का मुकाबला करते हुए तूफान का सामना किया। जयसवाल को कभी-कभी हाथ की ऐंठन के इलाज की आवश्यकता होती थी, निर्जलीकरण से निपटने के लिए पानी पीना पड़ता था, लेकिन उनका दृढ़ संकल्प अडिग रहा। नियमित सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में पदोन्नत किए गए राहुल अपनी भूमिका में आश्वस्त दिखे और उन्होंने गली के पास गेंद को धकेल कर अपना अर्धशतक पूरा किया। अनुशासित गेंदबाजी प्रयासों के बावजूद, ऑस्ट्रेलिया सफलता हासिल करने में असफल रहा। मिचेल स्टार्क और नाथन लियोन के अलावा पैट कमिंस कभी-कभार तेज उछाल हासिल करने में कामयाब रहे, लेकिन भारत के बल्लेबाज निराश नहीं हुए। जायसवाल ने इस बीच एक कैलेंडर वर्ष में 33 छक्कों के ब्रेंडन मैकुलम के रिकॉर्ड की बराबरी की।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी : 150

ऑस्ट्रेलिया पहली पारी	रन	गेंद	4	6
ख्वाजा का कोहली बो बुमराह	08	19	1	0
मैकस्वीनी पगबाधा बो बुमराह	10	13	2	0
मार्नस लाबुशेन पगबाधा बो सिराज	02	52	0	0
स्टीव स्मिथ पगबाधा बो बुमराह	00	1	0	0
ट्रैविस हेड बो हर्षित	11	13	2	1
मिचेल मार्श का राहुल बो सिराज	06	19	1	0
एलेक्स कैरी का पंत बो बुमराह	21	31	3	0
पैट कमिंस का पंत बो बुमराह	03	5	0	0
मिचेल स्टार्क का पंत बो हर्षित	26	112	2	0
लायन का राहुल बो हर्षित	05	16	0	0
हेजलवुड नाबाद	07	31	1	0

अतिरिक्त : 05 रन

कुल : 51.2 ओवर में 104 रन पर ऑलआउट

विकेट पतन: 1-14, 2-19, 3-19, 4-31, 5-38, 6-47, 7-59, 8-70, 9-79, 10-104

गेंदबाजी	ओवर	मेडन	रन	विकेट
जसप्रीत बुमराह	10	3	30	5
मोहम्मद सिराज	9	6	17	2
हर्षित राणा	8	1	48	3
नीतीश रेड्डी	3	0	4	0
वाशिंगटन सुंदर	2	1	1	0

भारत दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
यशस्वी नाबाद	90	193	7	2
केएल राहुल नाबाद	62	153	4	0

अतिरिक्त : 20 रन

कुल : 57 ओवर में बिना विकेट खोए 172 रन

गेंदबाजी	ओवर	मेडन	रन	विकेट
मिचेल स्टार्क	12	2	43	0
जॉश हेजलवुड	10	5	9	0
पैट कमिंस	13	2	44	0
मिचेल मार्श	6	0	27	0
नेथन लायन	13	2	28	0
लाबुशेन	2	0	2	0
ट्रेविस हेड	1	0	8	0

बुमराह ने कपिल देव की रिकॉर्ड की बराबरी की

पर्थ, वार्ता : पर्थ टेस्ट में आस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को जमीन दिखाने वाले भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने भारतीय दिग्गज कपिल देव की बराबरी की है। एशिया के बाहर खेलते हुए बुमराह ने नौवीं बार पारी में पांच विकेट लिए, जो भारतीय गेंदबाज़ का संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ है,इस मामले में उन्होंने कपिल देव की बराबरी की। बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया में दूसरी बार पारी में पांच विकेट लिए। उनके नाम इंग्लैंड और वेस्टइंडीज में भी पारी में दो बार पांच विकेट हैं, जबकि उन्होंने तीन बार साउथ अफ्रीका में पारी में पांच विकेट लिए। बुमराह ने पर्थ टेस्ट में पांच मेजबान बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखायी जिसके चलते कंगारु टीम पहली पारी में अपने न्यूनतम स्कोर 104 रन पर सिमट गयी। इससे पहले कपिल देव ने पर्थ में 106 रन देकर आठ विकेट चटकाये थे। कपिल देव ने यह कारनामा 1985 में एडिलेड टेस्ट में किया था। हालांकि 2007 के मेलबर्न टेस्ट में अनिल कुंबले ने पांच विकेट चटकाये थे। जसप्रीत बुमराह के पांच विकेटों के चलते पर्थ टेस्ट की पहली पारी में भारत को 46 रनों की बढ़त मिली। आस्ट्रेलिया ने पर्थ टेस्ट की पहली पारी में 104 रन बनाए, जो उनका घर में भारत के खिलाफ दूसरा न्यूनतम स्कोर है, इससे पहले कंगारु 1981 में मेलबर्न में 83 रन पर ऑलआउटहो चुके हैं।

तिलक ने लगातार तीसरा शतक जड़कर रचा इतिहास

राजकोट, वार्ता : तिलक वर्मा ने शनिवार को टी-20 क्रिकेट में एक नया मानदंड स्थापित किया जब वह इस प्रारूप में लगातार तीन शतक बनाने वाले पहले भारतीय पुरुष क्रिकेटर बन गये। 22 वर्षीय खिलाड़ी का उल्लेखनीय प्रदर्शन मुश्ताक अली टी-20 चैंपियनशिप में जारी रहा। उन्होंने मेघालय के खिलाफ मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024-25 के शुरुआती मैच में हैदराबाद के लिए 67 गेंदों में 151 रन बनाए। राजकोट में वर्मा की शानदार पारी दक्षिण अफ्रीका में दो शानदार शतकों के बाद आयी है। उन्होने सेंचुरियन में नाबाद 107 रन और जोहान्सबर्ग में 120 रन की नाबाद पारी खेली थी। इस पारी के साथ, वह टी-20 मैच में 150 से अधिक का स्कोर बनाने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बन गए, जो घरेलू स्तर पर पहले बेजोड़ उपलब्धि थी। किरण नवगिरे ने 2022 सीनियर महिला टी-20 ट्रॉफी में नागालैंड के लिए नाबाद 162 रन के साथ एक उच्च बेंचमार्क स्थापित किया था, लेकिन तिलक की पारी पुरुष क्रिकेट में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए, उन्होंने 225.37 की तूफानी स्ट्राइक रेट बनाए रखी और पारी की अंतिम गेंद पर गिरने से पहले 14 चौके और 10 छक्के लगाए।

सार संक्षेप

एशिया कप क्वालीफायर में भारत को कतर से मिली हार

चेन्नई : भारत एफआईबीए एशिया के क्वालीफायर में कतर से 53-69 से हार गया है। भारत में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय पुरुष बास्केटबॉल टूर्नामेंट चेन्नई में आयोजित किया गया था। दो मुकाबलों के इस दौर में पहला मुकाबला हुआ जिसमें दुनिया में 76वें नंबर की टीम भारत ने 101वें नंबर की कतर टीम के खिलाफ खेला। टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले, एफआईबीए एशिया के एमेरिटस महासचिव और एशियाई बास्केटबॉल एसोसिएशन के सचिव दातो येओह चू हॉक को एक मौन श्रद्धांजलि दी गई, जिनका हाल ही में निधन हो गया। दोनों टीमों ने शुरू से ही बराबरी का खेल दिखाया, हालांकि कतर ने कप्तान हफीज के तीन 3-पॉइंटर्स के साथ 17-14 की बढ़त बना ली, जिससे टीम की संख्या बढ़ गई। लुईस के कमाल के प्रदर्शन की बदौलत कतर की टीम पहले हाफ की समाप्ति पर 36-31 से आगे थी। लुईस और हैरिस ने कतर के लिए लगातार अंक बनाए। लेविस ने 19 अंक और हैरिस ने 17 अंक बनाये। अंत में कतर की टीम ने 69-53 के स्कोर के साथ शानदार जीत दर्ज की। भारतीय टीम 25 नवंबर को एक अन्य क्वलीफाइंग मैच में कजाकिस्तान से भिड़ेगी। यह मैच जीतने पर ही भारत फीबा एशिया कप के लिए क्वालीफाई कर सकेगा।

रोमांचक मुकाबले में राजस्थान से एक रन से हारा उत्तर प्रदेश

पुणे : प्रिया वर्मा की घातक गेंदबाजी के बावजूद उत्तर प्रदेश की अंडर-15 बालिका टीम राजस्थान से एक बेहद रोमांचक मुकाबले में मात्र एक रन से हार गयी। एमसीए ग्राउंड पर शनिवार को खेले गये मैच में राजस्थान ने पहले खेलते हुये 151 रनों का स्कोर खड़ा किया जिसके जवाब में यूपी की लड़कियां 150 रनो पर ढेर हो गयीं। यूपी के लिए पहले विकेट पर आफरीन शमीम और आन्या उपाध्याय के बीच 74 रनों की साझेदारी हुई थी। लेकिन उसके बाद यूपी की बल्लेबाजी लड़खड़ा गई। यूपी की ओर से आन्या उपाध्याय ने 78 गेंदों का सामना कर सात चौकों की मदद से सबसे ज्यादा 48 रन बनाए। इसके अलावा आफरीन शमीम ने 47 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 24 रन बनाए। इसके अलावा यशिका 18 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से तेज 24 रन बनाकर नाबाद रहीं। अन्य बल्लेबाजों में सिर्फ गरिमा सिंह (16) ही दो अंकों का स्कोर बना सकीं। राजस्थान की ओर से रोचेली यादव ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया। रोचेली ने बल्लेबाजी करते हुए सर्वाधिक 48 रनों का योगदान किया था, जबकि गेंदबाजी में भी उन्होंने 23 रन देकर सर्वाधिक तीन विकेट लिए। दो विकेट माहिरा खान को मिले। इससे पहले प्रिया वर्मा ने पांच विकेट लेकर राजस्थान की पारी को 151 रनों पर रोक दिया था। लेकिन यूपी की मिडिल ऑर्डर बल्लेबाजों ने उसकी मेहनत पर पानी फेर दिया। पहले बल्लेबाजी करने वाली राजस्थान की टीम के लिए रोचेली यादव ने 48 और काव्या बिश्नोई ने 38 रनों की शानदार पारियां खेलकर अपनी टीम के स्कोर को डेढ़ सौ से ऊपर पहुंचाने में अहम योगदान किया। राजस्थान की पारी 33 ओवरों में खत्म हुई। यूपी के लिए प्रिया वर्मा ने 30 रन देकर पांच विकेट लिए, लवि पाल ने 21 रने देकर दो विकेट, जबकि गरिमा सिंह ने एक विकेट लिया।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में ताहलिया मैक्ग्रा को टीम की कमान

● सिडनी,

ऑस्ट्रेलिया ने भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच से 23 दिसंबर तक होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला के लिए 13 सदस्यीय टीमों की घोषणा की है।

ऑस्ट्रेलिया दिसंबर की शुरुआत में तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए भारत की मेजबानी करेगा, जिसके बाद महीने के अंत में टीम एक और तीन एकदिवसीय सीरीज के लिये न्यूजीलैंड का दौरा करेगी। ऑस्ट्रेलिया की नियमित कप्तान एलिसा हीली घुटने की चोट से उबरने के कारण भारत श्रृंखला में नहीं खेलेंगी, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला के लिए फिट हो जाएंगी। उनकी अनुपस्थिति में ताहलिया मैकग्राथ टीम की कप्तानी करेंर्गी। क्वींसलैंड की 21 वर्षीय बल्लेबाज जॉर्जिया वोल को पहली बार भारत सीरीज टीम में शामिल किया गया है। वोल मौजूदा महिला बिग बैश लीग और महिला राष्ट्रीय क्रिकेट लीग में शीर्ष रन बनाने वालों में से एक हैं और दोनों टूर्नामेंटों में उनके नाम चार अर्धशतक हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा कि हमने अगले साल की एशेज श्रृंखला और आईसीसी महिला विश्व कप को ध्यान में रखते हुए इन दो आगामी दौरों के लिए एक

अनुभवी टीम चुनी है। जॉर्जिया वोल ने गर्मियों की मजबूत शुरुआत की है और कई वर्षों में अपनी क्षमता दिखाई है। फ्लेगलर ने कहा कि वह शीर्ष क्रम में फोएबे लीचफील्ड के साथ एक रोमांचक साझेदारी बनाएंगी, जो उनके लिए एक मजबूत भारत टीम के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का स्वाद चखने का एक शानदार अवसर होगा। उन्होने कहा कि एलिसा हीली का भारत के साथ सीरीज में न खेलने का फैसला एशेज को ध्यान में रखते हुए किया गया था, क्योंकि न्यूजीलैंड सीरीज के लिए उनकी उपलब्धता अगले कुछ हफ्तों में स्पष्ट हो जाएगी। ताहलिया मैक्ग्रा ने विश्व कप के दौरान कठिन परिस्थितियों में कप्तान के रूप में प्रभावित किया और उन्हें ऐश गार्डनर से मजबूत समर्थन मिलेगा।

भारत ने एशिया पैसिफिक में जीते 25 पदक

● नई दिल्ली,

भारत ने थायागराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और आरक्यूब मोनाड में संपन्न हुई पहली स्पेशल ओलंपिक्स एशिया पैसिफिक बोचे और बॉलिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 25 पदक हासिल किए हैं।

भारतीय बॉलिंग दल ने 14 पदकों का योगदान दिया

भारतीय बॉलिंग दल ने 14 पदकों का योगदान दिया, जिसमें चार स्वर्ण, छह रजत और चार कांस्य शामिल हैं, जबकि बोचे टीम ने 11 पदकों में एक स्वर्ण, चार रजत और छह कांस्य अपने नाम किए। महिला बॉलिंग टीम का प्रदर्शन खासतौर पर प्रभावशाली रहा, जिसने भारत के चार स्वर्ण पदकों में से तीन पर कब्जा किया। श्रद्धा पटेल, नेहा सिंह, शिमरन पुजारा और सुसरी संगीता नायक की चौकड़ी ने टीम इवेंट के फाइनल में मलेशिया को हराकर स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद श्रद्धा और शिमरन ने नेहा और सुसरी संगीता नायक को डबल्स इवेंट के फाइनल में हराकर टूर्नामेंट का अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। सिंगल्स इवेंट में नेहा ने फाइनल में श्रद्धा को हराकर डिवीजन 3 का स्वर्ण पदक जीता और टूर्नामेंट में तीन पदक अपने नाम किए। सुसरी और शिमरन ने भी डिवीजन 1 और 2 में कांस्य पदक जीतकर अपने तीसरे-तीसरे पदक हासिल किए। पुरुष वर्ग में, एकमात्र स्वर्ण प्रकाश वाघेला ने डिवीजन 6 सिंगल्स में इभानन साहू को फाइनल में हराकर जीता। दोनों ने पहले डिवीजन 3 डबल्स में कांस्य जीता था, जबकि अंकित और निरुपम डे की जोड़ी ने डिवीजन 2 में कांस्य जीता। अंकित और निरुपम ने डिवीजन 5 और 8 में रजत पदक भी जीते। इन चारों खिलाड़ियों ने मिलकर टीम इवेंट में रजत पदक हासिल किया, जहां फाइनल में उनका सामना उज्बेकिस्तान से हुआ। बोचे में भारत का एकमात्र स्वर्ण पदक महिलाओं की डबल्स श्रेणी में आया, जहां जी. सुबाशिनी और प्रियंका ने ऑस्ट्रेलिया की आंद्रियास डुंडेस कैथरीन और टेगन ओ'कीफ को फाइनल में हराया। इस श्रेणी में इंडोनेशिया की गीथा लारासती और डोना फित्री रहमावतरी ने कांस्य पदक जीता। पुरुषों के डबल्स वर्ग में कबीर प्रीतम बरुआ और एबेनिजर डेविड की जोड़ी ने 22-29 आयु वर्ग में कांस्य पदक जीता। इसके बाद इन दोनों ने मंजुला और पूर्णिमा मदान के साथ मिलकर मिक्स्ड टीम 1 डिवीजन में एक और कांस्य पदक हासिल किया। मिक्स्ड टीम 2 डिवीजन में भारत के देवेश अग्रवाल, विलफ्रेड डिसूजा, प्रियंका और जी. सुबाशिनी की टीम ने फाइनल में ऑस्ट्रेलिया की टीम के खिलाफ खेलते हुए रजत पदक जीता। सिंगल्स श्रेणी में भारत ने कुल सात पदक जीते। पूर्णिमा मदान और मंजुला ने महिलाओं की 30+ आयु वर्ग में एफओ4 और एफओ 6 श्रेणियों में रजत पदक जीते, जबकि पुरुषों के एमओ2 डिवीजन में विलफ्रेड डिसूजा ने रजत पदक जीता। एफओ2 डिवीजन में जी. सुबाशिनी, एमओ1 डिवीजन में एबेनिज़र डेविड, एमओ3 डिवीजन में देवेश अग्रवाल और एमओ7 डिवीजन में कबीर प्रीतम बरुआ ने कांस्य पदक जीते।

नीदरलैंड पहली बार डेविस कप के फाइनल में

डेविस कप मुकाबले में नीदरलैंड ने जर्मनी के खिलाफ 2-0 से जीत दर्ज की

● एम्स्टर्डम,

जर्मनी के खिलाफ 2-0 की जीत के साथ नीदरलैंड पहली बार डेविस कप के फाइनल में पहुंच गया है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को स्पैनियार्ड के करियर के अंतिम मैच में राफेल नडाल को हराने वाले बोटिक वैन डी जैंडस्चुल्प ने पहले एकल मैच में डैनियल अल्टमायर को हराकर डच टीम को 1-0 से आगे कर दिया।

दुनिया के 80वें नंबर के खिलाड़ी को रोमांचक मुकाबले में 6-4 6-7 (12-14) 6-3 से जीत हासिल करने के लिए 10 मैच प्वाइंट की जरूरत थी। ग्रिक्सपुर ने बेस्ट ऑफ थ्री टाई को निर्णायक युगल में जाने से रोक दिया। उन्होंने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-7 (4-7) 7-5 6-4 से हराया। ग्रिक्सपुर ने कहा कि हमें खुद पर बहुत विश्वास था, हमें हमेशा लगता था कि यह संभव है इसलिए अब ऐसा करना अविश्वसनीय लगता है। रविवार के

ग्रिक्सपुर ने स्ट्रफ को 6-7, (4-7), 7-5, 6-4 से हराया

फाइनल में नीदरलैंड का सामना गत चैंपियन इटली या ऑस्ट्रेलिया से होगा। इटली की टीम का नेतृत्व विश्व के नंबर एक जैननिक सिनर कर रहे हैं। नीदरलैंड्स कप्तान पॉल हारहुइस ने कहा कि यह जीत रोमांचित करने वाली है अगर हम डेविस कप जीतते हैं तो हमारे लिये सुखद होगा क्योंकि हमारे पास वह शीर्ष-पांच खिलाड़ी नहीं है, हमारे पास वह शीर्ष -10 खिलाड़ी नहीं है, हमारे पास वह शीर्ष -15 खिलाड़ी नहीं है - लेकिन यह एक टीम प्रयास है। उन्होने कहा कि हमें खुद पर विश्वास करना होगा, चाहे कोई भी हमारे खिलाफ हो, कि हम यह कर सकते हैं। इस साल यह हमारा समय है। हम यहां हैं और हम इसे गिनने जा रहे हैं। तीन बार का विजेता जर्मनी 1993 में आखिरी बार खिताब जीतने के बाद पहली बार फाइनल में पहुंचने का लक्ष्य बना रहा था।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले दिन वेस्टइंडीज की मजबूत शुरुआत

एंटीगुआ, सलामी बल्लेबाज मिकाइल लुइस (97) और एलिक अथानाज (90) के बीच चौथे विकेट के लिये 140 रनों की महत्वपूर्ण साझीदारी की मदद से वेस्टइंडीज ने यहां बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के पहले दिन शनिवार को पांच विकेट पर 250 रन बना लिये।

तीन विकेट मात्र 84 रन पर गिरने के बाद मेजबान टीम संकट में थी मगर लुईस और अथानाज की जोड़ी ने न सिर्फ उसे संकट से उबारा बल्कि एक महत्वपूर्ण साझेदारी कर टीम को एक बड़े स्कोर की ओर अग्रसर कर दिया। लुइस हालांकि अपने अपने पहले टेस्ट शतक से मात्र तीन पीछे रह गए। वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाजों ने शुरू में सीम मूवमेंट को अच्छी तरह से संभाला, लेकिन टीम ने दिन की शुरुआत में ही दो विकेट जल्दी खो दिए। दिन के खेल खत्म होने के समय जस्टिन ग्रीव्स (11) और जोशुआ दा सिल्वा (14) बना कर क्रीज पर नाबाद हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)